आज का विचार
कुदरत का सबसे सुंदर संदेश- याद रखें आप पृथ्वी के मेहमान हैं मालिक नहीं।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 19 जून, 2025 | वर्ष 23, अंक 150, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

भारत और कनाडा की राजधानी में होगी उच्चायुक्तों की बहाली, मोदी और मार्क की द्विपक्षीय बैठक में सहमति

एजेंसी (हि.स.)
कनानैस्किस (कनाडा)

भारत और कनाडा ने एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र वापसी के साथ संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सोची-समझी और रचनात्मक पहल करने पर सहमति जताई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की अल्बर्टा प्रांत के कनानैस्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के मौके पर हुई द्विपक्षीय बैठक में रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने की शुरूआत हुई है।

भारत के विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आज कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से द्विपक्षीय बैठक की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की बातचीत है। यह मुलाकात प्रधानमंत्री कार्नी के हालिया आम चुनाव के बाद पदभार संभालने के बाद हुई। इस बैठक ने भारत-कनाडा संबंधों की स्थिति और आगे की दिशा पर स्पष्ट और दूरदर्शी चर्चा का अवसर प्रदान किया।

विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान, और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर आधारित भारत-कनाडा संबंधों के महत्व को दोहराया। उन्होंने परस्पर सम्मान, जन-जन के बीच मजबूत संबंधों, और बढ़ती आर्थिक पूरकताओं पर आधारित एक रचनात्मक और संतुलित साझेदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस संदर्भ में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र वापसी के साथ संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए सोची-समझी और रचनात्मक पहल करने पर सहमति जताई। साथ ही दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वास बहाली और संबंधों में गति लाने के लिए वरिष्ठ मंत्रियों तथा कार्य-स्तरीय संवादों को पुनः आरंभ करने के महत्व को रेखांकित किया। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एलएनजी, खाद्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, उच्च शिक्षा, गतिशीलता और आपूर्ति श्रृंखला जैसी क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने एक स्वतंत्र और खुली इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देने में साझा रुचि की पुष्टि की। नेताओं ने प्रारंभिक प्रगति

संबंध में आगे बातचीत का निर्देश दिया।

दोनों नेताओं ने जी-7 शिखर सम्मेलन में हुई महत्वपूर्ण प्रगति और जलवायु कार्रवाई, समावेशी विकास, तथा सतत विकास जैसे वैश्विक प्राथमिकताओं पर मिलकर काम करने की साझा इच्छा को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी और मार्क कार्नी ने दोनों देशों के बीच गहरे जनसामान्य संबंधों को रेखांकित किया और इसे दोनों देशों के हित में और बेहतर रूप में उपयोग करने की सहमति जताई। साथ ही संपर्क में बने रहने और शीघ्र ही दोबारा मिलने की इच्छा व्यक्त की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स हैंडल पर लिखा, "प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ शानदार बैठक हुई। जी-7 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए उन्हें और कनाडा सरकार को बधाई दी। भारत और कनाडा लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन में दृढ़ विश्वास से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्नी और मैं भारत-कनाडा मैत्री को गति देने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। व्यापार, ऊर्जा, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, उर्वरक और अन्य क्षेत्र इस संबंध में अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं।"

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कनाडा यात्रा सफल रही। उनका अगला पड़ाव क्रोएशिया है। प्रधानमंत्री मोदी कनाडा की दो दिवसीय यात्रा पूरी कर यहां से क्रोएशिया के लिए रवाना हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा की बहुत ही उत्पादक यात्रा संपन्न की। जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे वैश्विक संदर्भ में प्रमुख मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। कई नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। उनका अगला पड़ाव- क्रोएशिया।

कुरुक्षेत्र में चलेंगी इलेक्ट्रिक बस, महाभारत की थीम पर बनेंगे गेट और चौक: नायब सैनी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले, इसके लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक आज राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर उपाध्यक्ष शामिल हुए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देशभर में कुरुक्षेत्र की विस्तृत पहचान बने, इसके लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। कुरुक्षेत्र का एक बड़ा धार्मिक महत्व है, ऐसे में एक भव्य अध्यात्मिक नगरी के रुप में इसके विस्तार को लेकर हमारी परिकल्पना होनी चाहिए। इसके बोर्ड में देश भर के विद्वान एवं प्रतिष्ठित लोगों को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि 48 कोस के अंतर्गत आने वाले तीर्थ स्थलों को लेकर साल में कम से कम 48 उत्सव इन गांवों में मनाने चाहिए। इनमें जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ साथ जिन गांवों में ये तीर्थ स्थल है, उनकी सहभागिता भी जोड़ी जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाएं कि अगर कोई यहां आएं तो उसे एहसास हो कि वो उस पवित्र धरा पर आया हैं जो महाभारत के इतिहास से जुड़ी है। इसके लिए यहां पर धार्मिक और पर्यटन के नजरिये से हमें पर्यटकों के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं करनी होगीं। बैठक के दौरान बोर्ड के पदाधिकारियों और अधिकारियों के समक्ष कुरुक्षेत्र के विकास के पहलुओं को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सफाई व्यवस्था, सरोवर के रख रखाव, नवीनीकरण और ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था करने के साथ साथ मेला एरिया में विकास को लेकर चर्चा हुई है। बैठक में अलग अलग स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई, साथ ही प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के समग्र विकास को लेकर कई पहलुओं पर चर्चा हुई है। खास तौर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में चौक और प्रवेश द्वार को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए है। इन्हें महाभारत की थीम का रुप दिया जाएगा। ज्योतिसर की तरफ से आने वाले रास्ते पर लगे सुदर्शन चक्र को भी दोबारा बनाया जाएगा। जिसमें लाइटिंग करने के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही बैठक में ब्रहमसरोवर के प्रवेश द्वार के नाम भी तय करने बारे चर्चा हुई। ज्योतिसर तीर्थ परिसर के आस–पास ग्रीनरी की व्यवस्था करने के भी संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए है। इसके अलावा पूरे शहर के पेंटिंग और रेलवे ब्रिज के नजदीक भी श्लोक इत्यादि लिखने बारे भी बैठक में चर्चा हुई है। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक में निर्णय हुआ है कि कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस चलाई जाएंगी। इन बसों को 48 कोस के अंतर्गत आने वाले तीर्थों के साथ कनेक्ट किया जाएगा। बसों के अंदर रुट मैप भी लगाया जाएगा, साथ ही डेलीवेज पास की व्यवस्था भी रहेगी। बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि डेलीवेज पास ना सिर्फ बस में चलेंगे साथ ही कुरुक्षेत्र में बने अलग अलग स्थलों पर भी एंट्री पास के रुप में भी काम आ सकेंगे। इसके साथ ही बैठक में 48 कोस के बारे में बताया गया कि बोर्ड के अधिकारियों की कमेटी द्वारा 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि में पहले चिन्हित 164 तीर्थ स्थलों के अतिरिक्त अब 18 नए तीर्थों के सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया है। इन स्थलों पर होने वाले निर्माण के डिजाइन इत्यादि को लेकर एक पीपीटी भी दिखाई गई, जिसमें विस्तार से बताया गया कि इनका डिजाइन एक तरह का होगा, साथ ही इस्तेमाल होने वाले रंग, प्रवेश द्वार, पार्क, हॉल इत्यादि भी एक प्रकार के ही बनेंगे। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में आने वाले तीर्थ यात्रियों अथवा पर्यटकों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसके लिए बकायदा 4 इंफॉर्मेशन सेंटर के कार्य को 15 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए है। यह सेंटर पिपली के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा ज्योतिसर में रेलवे स्टेशन और केडीबी पर बनेंगे। इन सेंटर्स के जरिए कोई भी व्यक्ति कुरुक्षेत्र के बारे में कुछ भी जान सकेंगे। बकायदा इनके पास कुरुक्षेत्र की जानकारी मुहैया करवाने वाले पोस्टर एवं बुकलैट भी उपलब्ध रहेगी।

ईरान ने इजराइल पर 25 'फतह-1' मिसाइलें दागीं, छठे दिन भारी तबाही का दावा किया

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान

ईरान-इजराइल सैन्य टकराव आज छठे दिन में प्रवेश कर गया। इजराइल के हमले से प्रतिशोध की आग में झुलस रहा ईरान इस युद्ध में अमेरिका की एक भी बात नहीं सुन रहा। आज ईरान ने इन छह दिनों में पहली बार इजराइल के खिलाफ फतह-1 मिसाइल से हमला किया है। उसने एक साथ ऐसी 25 मिसाइलें दागकर भारी तबाही मचाई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरान की खबर के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि फतह-1 मिसाइल हमला इजराइली प्रायोजक संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कड़ा संदेश है। फतह-1 उन्नत मिसाइल है। यह लक्ष्य को कुछ ही मिनट में तबाह करने में सक्षम हैं।

आईआरजीसी ने बुधवार सुबह प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि फतह-1 को तेल अवीव ईरान की ताकत का संदेश देने के लिए भेजा गया, ताकि उसका युद्ध प्रिय सहयोगी अमेरिका भी जान सके कि लड़ाई कैसी होगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि फतह-1 ने इजराइल के आसमान पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया है। उसके ताजा हमले के बाद इजराइल के लोग रक्षा विहीन हो गए हैं। आईआरजीसी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के जंग शुरू होने के एलान के बयान के बाद फतह-1 से हमला किया है। इस जंग में पहली बार फतह-1 का इस्तेमाल किया गया है। फतह 1 मिसाइल हाइपरसोनिक है। यह आवाज की गति से पांच गुना तेज उड़ती है। आईआरजीसी ने कहा कि फतह-1 मिसाइलों ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को भेद दिया है। हालांकि इससे इजराइल को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी कोई सूचना नहीं है। इस बीच वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमनराइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 585 हो चुका है। जबकि 1,326 लोग घायल हुए हैं। ईरान की सरकार ने अब तक मौतों की पूरी जानकारी साझा नहीं की है। आखिरी बार ईरान ने सोमवार को हताहतों की जानकारी शेयर की थी। सरकार के मुताबिक इस लड़ाई 224 ईरानी मारे गए, 1,277 घायल हुए हैं।

यह है फतह-1 की खासियत

फतह-1 ईरान की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल है। अयातुल्ला अली खामेनेई ने इसे फतह-1 नाम दिया था। 2023 में इसे पहली बार दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया। मिसाइल को दुनिया के सामने पेश करते समय तेहरान में एक बड़ा बैनर लगाया गया था, जिस पर हिब्रू में एक संदेश लिखा, 'तेल अवीव के लिए 400 सेकंड।' इससे यह साफ बताता है कि फतह-1 ईरान से इजरायल की दूरी 7 मिनट से कम समय में तय कर सकती है। इस मिसाइल को ईरान ने इजराइल के आयरन डोम और ऐरो जैसी मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदकर हमला करने के लिए डिजाइन किया है। हाइपरसोनिक आमतौर पर ऐसे हथियारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, पृथ्वी के वायुमंडल में बहुत तेज गति से जाते हैं। इनकी रफ्तार के चलते इन्हें रोकना मुश्किल होता है और वे तेजी से दिशा बदल सकते हैं। ईरान वॉच के अनुसार फतह-1 की रेंज 1400 किलोमीटर तक है। यह ठोस ईंधन पर चलती है और सिंगल स्टेज प्रोपल्शन सिस्टम का उपयोग करती है। हाइपरसोनिक मिसाइलें मैक-5 (ध्वनि की रफ्तार से पांच गुना) लगभग 6100 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ सकती हैं। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर बैलिस्टिक मिसाइलें अपने लक्ष्य के पास पहुंचने पर हाइपरसोनिक गति तक पहुंच जाती हैं। हालांकि, ईरान का दावा है कि फतह-1 मिसाइल मैक 15 यानी लगभग 18000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लक्ष्य की तरफ बढ़ सकती है।

छत्तीसगढ़ में 13 लाख के इनामी नक्सली दंपत्ति ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

मोहला -मानपुर जिला में लम्बे समय से सक्रिय इनामी नक्सली दंपत्ति ने बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर 13 लाख का इनाम घोषित है, जो कई सालों से नक्सली गतिविधियों में शामिल थे। जिला पुलिस और सुरक्षा बलों को लंबे समय से इनकी तलाश थी।

राजनांदगाव रेंज पुलिस महानिर्देशक अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि मोहला मानपुर पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे माओवादी उन्मुलन अभियान के तहत नक्सली जीवन उर्फ राम तुलावी व अगासा उर्फ आरती कोर्राम ने बुधवार को आत्म समर्पण किया। नक्सली दंपत्ति 13 लाख के इनामी नक्सली थे। आईजी ने बताया कि डीव्हीसीएम जीवन 8 लाख और उसकी पत्नी एसीएम अगासा 5 लाख के इनामी नक्सली थे। नक्सली दंपत्ति जीवन मोहला थाना के परवीडीह व अगसा ग्राम तेलीटोला की निवासी है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नक्सल दंपत्ति 25 साल से माओवादी संगठन मे सक्रिय रहे है। 12वीं पास जीवन, माड़ क्षेत्र में सक्रिय डिवीसीएम व अगासा एसीएम पद के सक्रिय सदस्य थे। जीवन माड़ में नक्सलियों द्वारा संचालित स्कूल में पढ़ाने का काम करता था। जिसका उदेश्य माड़ क्षेत्र के गावों में घूम-घूम कर नक्सली संगठन के सदस्यों को नक्सली विचारधारा से जोड़ना था। वही उसकी पत्नी 10वीं तक पढ़ी अगासा (38 वर्ष) नक्सलियों के चेतना नाट्य मंच की अध्यक्ष थी। आईजी ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की नीति के तहत घोषित प्रोत्साहन राशि 50-50 हजार तत्काल दिया गया। वही आईजी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि शासन कि नीति के तहत नक्सली समर्पण करें या जो आपरेशन चल रहा है उसका सामना करें। नक्सली दम्पतियों का यह आत्मसमर्पण उन नक्सलियों के लिए है जो वापस मुख्य धारा से जुड़ना चाहते है।

आत्मसमर्पण किए नक्सली ने कहा कि वह बस्तर सहित अन्य जिलों में सुरक्षा बल द्वारा लगातार प्रहार के डर व छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर एसपी के सामने हमने हथियार छोड़ आत्मसमर्पण किया हैं।

भारत हुआ ट्रैकोमा-मुक्त, जेपी नड्डा ने केंद्र सरकार के 11 साल की गिनवाई उपलब्धियां

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ संगठन ने भारत को ट्रैकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। ट्रैकोमा आंखों की संक्रामक बीमारी है, जोजीवाणु क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के कारण होती है। केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनवाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि देश ने एक और उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित कर दिया है। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित किया है, जिससे एक ऐसी बीमारी खत्म हो गई है जो कभी व्यापक अंधेपन का कारण बनती थी। स्वच्छता, पहुंच और नेत्र देखभाल सेवाओं में निरंतर प्रयासों के साथ, यह उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी अब समाप्त हो गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं और लाखों

जो प्रयास किए उसके निश्चित ही बेहतर परिणाम देखे गए, नतीजतन इसे सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि ट्रैकोमा को अति संक्रामक रोग के रूप में जाना जाता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों, पलकों और नाक-गले के स्राव के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल और तौलिए के इस्तेमाल से भी संक्रमण फैलने का खतरा हो सकता है।

नागरिकों के लिए गर्व का क्षण। विश्व स्तर पर अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक ट्रेकोमा रोग लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है। इस बीमारी को खत्म करने के लिए भारत ने

द्रौपदी मुर्मु के साथ प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय कॉरपोरेट लॉ सेवा, रक्षा एयरोनॉटिकल गुणवत्ता आश्वासन सेवा और केंद्रीय श्रम सेवा के प्रोबेशनर्स (प्रशिक्षु अधिकारी) ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, संकल्प और लगन का परिणाम है। जब वे लोक सेवा की चुनौतियों को स्वीकार करेंगे तो उन्हें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि उनके निर्णय और कार्य लाखों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। राष्ट्रपति ने उन्हें सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के आदर्शों का वाहक बनने का आह्वान किया।

कॉरपोरेट लॉ सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र भारत की आर्थिक प्रगति का प्रमुख स्तंभ है। ऐसे में इन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे कॉरपोरेट कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि एक ऐसा व्यावसायिक वातावरण विकसित हो जो पारदर्शी, उत्तरदायी और नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला हो।

केंद्रीय श्रम सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इनकी भूमिका न केवल श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित करने की है, बल्कि वे श्रमिकों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करने वाले संवेदनशील मध्यस्थ भी होते हैं। ये अधिकारी सामाजिक न्याय के पक्षधर बनकर उद्योगों और श्रमिकों के बीच संतुलन बनाकर उत्पादकता और पारस्परिक सम्मान की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं।

रक्षा एयरोनॉटिकल गुणवत्ता आश्वासन सेवा के अधिकारियों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य विमानन में गुणवत्ता केवल तकनीकी मानकों तक सीमित नहीं है बल्कि यह मिशन की तैयारी, परिचालन सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता से जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि सभी सैन्य विमानन उपकरण चाहे वे देश में निर्मित हों या आयातित– उच्चतम वैश्विक गुणवत्ता और एयरवदीर्नेस मानकों पर खरे उतरें।

उन्होंने कहा कि भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए न केवल सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करना आवश्यक है, बल्कि निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और तकनीक हस्तांतरण के माध्यम से उसे सक्षम बनाना भी जरूरी है। इससे भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

राष्ट्रपति ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से यह अपेक्षा की कि वे आने वाले वर्षों में देश की सेवा में समर्पण और ईमानदारी के साथ अपना योगदान देंगे।

10वीं के विद्यार्थियों को नहीं पता देश के राष्ट्रपति और राजधानी का नाम

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कुल्लू दौरे के दौरान अचानक पहुंचे सरकारी स्कूल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कुल्लू दौरे के दौरान बुधवार सुबह एक सरकारी स्कूल का औचक निरीक्षण किया। आनी विधानसभा क्षेत्र के निरमण्ड उपमंडल के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बागा सराहन में पहुंचे मुख्यमंत्री ने छात्रों से सामान्य ज्ञान के कुछ बुनियादी सवाल किए लेकिन 10वीं के छात्रों का जवाब सुनकर हैरान रह गए। मुख्यमंत्री ने जब राष्ट्रपति और देश की राजधानी के नाम पूछे तो कई विद्यार्थी इसका उत्तर नहीं दे सके। एक छात्र ने राष्ट्रपति के नाम के स्थान पर नरेंद्र मोदी का नाम लिया जबकि एक अन्य ने देश की राजधानी शिमला बताई। इसके उलट प्राइमरी विंग के छात्रों ने इन सवालों के सही उत्तर दिए जिससे मुख्यमंत्री प्रभावित हुए। उन्होंने छोटे बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें गले लगाया और शिक्षकों की प्रशंसा की। वहीं 10वीं के बच्चों की जानकारी पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री ने स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षकों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही क्वालिटी एजुकेशन है? साथ ही निर्देश दिए कि अब स्कूल में रोजाना आधे घंटे का सामान्य ज्ञान पीरियड अनिवार्य रूप से लगाया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी जानना चाहा कि बच्चे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। जवाब में अधिकतर छात्रों ने सेना में जाने की इच्छा जताई, जबकि कुछ ने शिक्षक और डॉक्टर बनने की बात कही। लेकिन जब सीएम ने पूछा कि क्या कोई छात्र नेता बनना चाहता है, तो एक भी हाथ नहीं उठा। मुख्यमंत्री मंगलवार को बागा सराहन पहुंचे थे और वहीं रात्रि प्रवास किया। बुधवार सुबह जब वह ठियोग लौट रहे थे तो रास्ते में स्कूल का निरीक्षण करने का अचानक निर्णय लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रों से संवाद किया और शिक्षा की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान शिक्षकों से छात्रों को किताबी ज्ञान के अलावा व्यवहारिक और सामान्य ज्ञान प्रदान करने पर बल दिया। छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे जीवन का लक्ष्य निर्धारित करके कड़ी मेहनत एवं लग्न के साथ आगे बढ़ें और सपनों को नई उंचाईयों पर पहुचाएं। उन्होंने बच्चों से मानवीय मूल्यों और आदर्शों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्री-नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के पुराने भवन के स्थान पर आधुनिक विद्यालय भवन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से स्कूल की समस्याओं पर फीडबैक भी लिया।

राज्यपाल ने की टीबी उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन में क्षय रोग उन्मूलन (टीबी मुक्त भारत अभियान) को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हिमाचल प्रदेश में किए गए कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया और प्रदेश की भूमिका पर चर्चा की गई।

राज्यपाल ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य और जिला स्तर पर नियमित निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और जनजागरूकता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि टीबी को जड़ से समाप्त करने के लिए आमजन का सहयोग जरूरी है और इसके लिए रणनीति में सुधार तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देना होगा।

उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में चल रही योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा ताकि केंद्र सरकार से भविष्य में और सहयोग प्राप्त किया जा सके। इस अवसर पर सचिव स्वास्थ्य सेवाएं एम. सुधा देवी ने प्रदेश में क्षय रोग नियंत्रण को लेकर चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं उप मिशन निदेशक एवं राज्य क्षय अधिकारी डॉ. गोपाल बेरी ने प्रस्तुति के माध्यम से प्रदेश की वर्तमान स्थिति का विवरण साझा किया। बैठक में राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक प्रदीप कुमार ठाकुर और राज्य आईईसी अधिकारी एल.आर. शर्मा भी मौजूद रहे।

हिमाचल को आपदा राहत के लिए केंद्र से मिले 2006.40 करोड़

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2023 में आई भीषण प्राकृतिक आपदाओं बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने राज्य को 2006.40 करोड़ रुपये की ₹पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना₹ के तहत सहायता प्रदान की है। इस निर्णय पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है। नड्डा ने कहा है कि संकट की घड़ी में केंद्र सरकार द्वारा देवभूमि को दी गई यह सहायता राज्य के आपदा प्रभावित नागरिकों के लिए बहुत बड़ा संबल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार हमेशा राज्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही है।

नड्डा ने जताया पीएम मोदी का आभार

उल्लेखनीय है कि यह राहत राशि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्वीकृत की गई है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान संपूर्ण देश में 28 राज्यों को रऊ्रऋ के तहत 20,264.40 करोड़ रुपये और 19 राज्यों को ठऊ्रऋ के तहत 5,160.76 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। मोदी सरकार देश को आपदा प्रतिरोधी बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रभावी कदम उठा रही है ताकि आपदाओं के दौरान जान-माल का न्यूनतम नुकसान हो।

प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, पूर्व अध्यक्ष सुरेश कश्यप, सतपाल सत्ती, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल और शांता कुमार ने भी प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने आनी के बागा-सराहन में सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम की अध्यक्षता की

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार रात कुल्लू जिला के आनी क्षेत्र के दूर-दराज गांव बागा-सराहन में ह्यसरकार गांव के द्वारह्ल कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अपने सम्बांधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का ध्येय राज्य के प्रत्येक क्षेत्र का समान विकास तथा कल्याण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में सरकार ने अनेक कल्याणकारी नीतियां और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लागू किए हैं। इसी कड़ी में सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम आरंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए जिला मुख्यालय या राज्य सचिवालय आने की जरूरत न पड़े, इसके लिए सरकार स्वयं गांव के द्वार कार्यक्रम द्वारा लोगों के घर-द्वार समस्याओं का समाधान कर रही है। इससे लोगों के समय और धन की बचत हो रही है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम का आयोजन अति दुर्गम क्षेत्र डोडरा क्वार, कुपवी, किलाड़ और शरची में किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा ह्यह्यमैनें व्यक्तिगत तौर पर इन कार्यक्रमों में जाने और दूर-दराज के इलाके में रात्रि विश्राम का निर्णय लिया ताकि दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं को करीब से जान सकूं। उन्होंने कहा कि सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के तहत वह स्वयं और मंत्रिमंडल के सहयोगी गांव-गांव जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं को हल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोग विशेष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वह सरकार द्वारा सृजित किए गए स्वरोजगार के अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं तथा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहें।

मंडी डवाहण के उदित पालसरा बने सेना में लेफ्टिनेंट

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के तुंगल क्षेत्र स्थित डवाहन गांव के उदित पालसरा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनें हैं। उदित पालसरा ने ग्रेजुएशन करने के पश्चात वर्ष 2024 में सीएसडी का इंटरंस टेस्ट पास करने के बाद आईएमए देहरादून से जनवरी 2024 से डेढ़ साल की ट्रेनिंग करने की और हाल ही में 14 जून को सेना में लेफ्टिनेंट बने हैं। लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार वे अपने पैतृक गांव डवाहन पहुंचे तो स्थानीय लोगों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उदित पालसरा ने अपनी कुल देवी मां जगतंबा और अपने देव पीजू पाल देव और देव रछेरा की विधिवत पूजा अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उदित पालसरा का जन्म वर्ष 2000 में डवाहन निवासी राजेश पालसरा व सुमन पलसरा के घर हुआ । उनकी प्रारंभिक शिक्षा आलोक भारती विद्यालय कोटली से और ग्रेजुएशन वल्लभ महाविद्यालय मंडी से की। उदित पालसरा ने बताया कि उनके प्रेरणा स्त्रोत उनकी दादी पिताजी और उनकी बहन रहे। युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहें और अपने माता-पिता एवं अपने गुरुजनों का सम्मान करें तथा अपनी पढ़ाई पूरी निष्ठा और लगन से करें।

पुलिस भर्ती प्रक्रिया में हुई है धांधली, पेपर लीक की प्रबल संभावना : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चल रही पुलिस भर्ती में धांधली के आरोप सामने आ रहे हैं। पैसे लेकर पास करवाने वाला गैंग सक्रिय है और वह अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूलने के मामले सामने आए हैं। युवक ऐसे पकड़े गए हैं जो पुलिस अभ्यर्थियों से लाखों रुपए लेकर उन्हें पास कराने की गारंटी दे रहे हैं। जिससे यह साफ है कि पुलिस भर्ती प्रक्रिया में सेंधमारी हुई है और पेपर लीक की प्रबल संभावना है। इस मामले में सरकार की तरफ से भी शिथिलता बरती जा रही है।

जय राम ने कहा कि इस मामले की गंभीरता से निष्पक्ष जांच हो और पेपर लीक होने पर परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए और फिर से पेपर करवाए जाएं। इस मामले के सभी दोषी आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि जब से सुक्खू सरकार सत्ता में आई है तब से भ्रष्टाचार के नए-नए करतब सामने आ रहे हैं। एनटीटी की भर्ती करने वाली सारी आउटसोर्स एजेंसियां कांग्रेस के विधायकों नेताओं और उनके करीबियों की हैं और इसमें जमकर धांधली सामने आ रही है। हमने इस मामले में पहले ही कह दिया था लेकिन सरकार सुधरने का नाम नहीं ले रही है। भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड वर्तमान की सुक्खू सरकार तोड़ चुकी है। भ्रष्टाचार के लिए सरकार द्वारा अलग अलग लोग निर्धारित किए गए हैं।

मौसम | **येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी**

हिमाचल प्रदेश में चार दिन भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में आगामी दिनों में मूसलाधार बारिश का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी ताजा पूवार्नुमान के अनुसार 20 से 23 जून तक प्रदेश के अधिकांश भागों में भारी बारिश हो सकती है। इसको देखते हुए विभाग ने येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही संकेत दिए हैं कि इस दौरान मानसून भी प्रदेश में दस्तक दे सकता है।

सामान्यतः हिमाचल में मानसून हर वर्ष 25 जून के आसपास पहुंचता है, लेकिन इस बार इसके कुछ दिन पहले ही सक्रिय होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 20 जून को प्रदेश के कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया है, जबकि 21, 22 और 23 जून के लिए कुछ क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 24 जून को किसी तरह का अलर्ट तो नहीं है लेकिन मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है।

20 जून को राज्य के ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, शिमला और सोलन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले दिन यानी 21 जून को ऊना और सिरमौर जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सोलन जिलों के लिए येलो अलर्ट लागू रहेगा।

22 जून को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसी दिन कांगड़ा, मंडी और सोलन जिलों के लिए येलो अलर्ट रहेगा। 23 जून को भी कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, साथ ही येलो और ऑरेंज अलर्ट लागू रहेगा। हालांकि 24 जून को लेकर कोई चेतावनी नहीं है, लेकिन मौसम खराब रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए विशेष रूप से मध्यम उंचाई वाले व पहाड़ी क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन की संभावना को लेकर सतर्क किया है। भारी बारिश की स्थिति में निचले क्षेत्रों में जलभराव की भी आशंका जताई गई है। लोगों को यात्रा के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है और खासतौर पर पर्वतीय सड़कों पर सफर करते समय एहतियात बरतने को कहा गया है।

मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। जिला मंडी के सुंदरनगर में सर्वाधिक 5 सेंटीमीटर बारिश हुई है, जबकि कुल्लू के भुंतर और मंडी के गोहर में 3 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके अतिरिक्त मंडी, कुल्लू, शिमला, सोलन, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर और लाहौल-स्पीति जिलों के कई स्थानों पर 1-2 सेंटीमीटर तक वर्षा हुई है। सुंदरनगर, भुंतर, गोहर, जोगेंद्रनगर, कसौल, कोटी, सराहन, रामपुर बुशहर, कसौली, धर्मपुर, मैहरे, बैजनाथ और केलांग जैसे क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

रानी लक्ष्मीबाई को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दी श्रद्धांजलि

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को उनके वलिदन दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे नारी शक्ति, साहस और देशभक्ति की अमिट प्रतीक हैं। अपने अद्भुत शौर्य और वीरता से रानी लक्ष्मीबाई ने भारतीय इतिहास में अमर स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 की क्रांति में रानी लक्ष्मीबाई ने अग्रिम पंक्ति में रहकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लोगों को जागरूक किया और मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का समर्पण और बलिदान युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा। ऐसे वीर योद्धाओं के त्याग और संघर्ष को हमें सदैव नमन करना चाहिए।

अनंतनाग पुलिस ने 40 लाख की संपत्ति की जब्त

अनंतनाग। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे से निपटने के लिए निरंतर प्रयास करते हुए अनंतनाग पुलिस ने मादक पदार्थों से संबंधित मामलों में शामिल व्यक्तियों की संपत्तियों को कुर्क करके नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस स्टेशन बिजबिहाडा में धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 175/2022 के संबंध में बिजबिहाडा के मूमिन दांजी निवासी सनाउल्लाह भट के पुत्र मोहम्मद अफजल भट की आवासीय संपत्ति को औपचारिक रूप से कुर्क किया गया है। यह कार्रवाई नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों से अवैध लाभ को बाधित करने के लिए कानूनी कार्यवाही के हिस्से के रूप में की गई है। इसके अतिरिक्त एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में वगीहामा, बिजबिहाडा निवासी सबजार अहमद दास पुत्र नजीर अहमद दास के स्वामित्व वाली हुंडई क्रेटा गाड़ी जिसका पंजीकरण नंबर जेके02सीएक्स-6665 है को उसी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20, 29 और 27-। के तहत जब्त किया गया है। जब्त किए गए आवासीय घर और जब्त वाहन का संयुक्त अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 40 लाख है।

वहीद पारा ने पुलवामा में नहर ढहने से कृषि संकट को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की

पुलवामा। बिजबिहाडा संगम के वाघामा के पास एक बड़ी नहर ढह गई है जिससे दक्षिण कश्मीर के हजारों किसानों में दहशत फैल गई है और पहलगाम से पुलवामा तक 5,000 हेक्टेयर से अधिक धान के खेतों की सिंचाई करने वाली महत्वपूर्ण अवंतीपोरा नहर कट गई है। विधान सभा सदस्य (एमएलए) पुलवामा वहीद उर रहमान पारा ने नहर ढहने पर चिंता जताते हुए तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की अपील की है और कृषि संकट को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। वहीद-उर-रहमान पारा ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। एक्स पर एक पोस्ट में विधान सभा सदस्य (एमएलए) पुलवामा वहीद उर रहमान पारा ने नहर ढहने पर चिंता जताई और तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की अपील की और आसन्न कृषि संकट को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की। पारा ने कहा कि पहलगाम से पुलवामा तक अवंतीपोरा नहर 5,000 हेक्टेयर धान की खेती की सिंचाई करती है और किसानों के लिए जीवन रेखा है। हालाँकि यह वर्तमान में वाघमा, बिजबिहाडा संगम में नहर के ढहने के कारण कट गई है। इस जरूरी मुद्दे को सूखे जैसी स्थिति को रोकने के लिए तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। क्षेत्र के किसान गहरे संकट और घबराहट में हैं जिसके चलते में प्रदेश सरकार से त्वरित हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं, इसी बीच बिजबिहाडा, अवंतीपोरा, काकापोरा और त्राल क्षेत्रों के किसानों ने गहरी परेशानी व्यक्त की है। अधिकारियों से नहर को बहाल करने के लिए तुरंत संसाधन तैनात करने का आग्रह किया है। कई लोगों ने कहा कि पानी की कमी के कारण उनकी धान की नर्सरी पहले से ही सूख रही है।

सुरनकोट में नियमित नाका चेकिंग के दौरान एक स्थानीय महिला से नशीला पदार्थ जब्त

पुंछ। मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे को रोकने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए पुंछ पुलिस ने सुरनकोट में नियमित नाका चेकिंग के दौरान एक स्थानीय महिला से नशीला पदार्थ जब्त किया है। मंगलवार देर रात पुलिस स्टेशन सुरनकोट से एक पुलिस दल पुरानी तहसील, सुरनकोट के पास नियमित नाका चेकिंग कर रहा था। चेकिंग प्रक्रिया के दौरान एक महिला जिसकी पहचान बशेरा बी पत्नी स्वर्गीय अब्दुल रशीद निवासी सुरनकोट के रूप में हुई है के पास लगभग 06 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ पाया गया। एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी हैं

पंपोश कॉलोनी में लगी भीषण आग, तेरह आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त

श्रीनगर। श्रीनगर के नूरबाग स्थित पंपोश कॉलोनी में मंगलवार देर रात लगी भीषण आग में तेरह आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। आगजनी की इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना देर रात मिली और पहली आपातकालीन इकाई एक मिनट बाद ही पहुंची गई थी। उन्होंने बताया कि आग ने तेरह इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया जिसमें दो दो मंजिला घर, पाँच एक मंजिला पक्का घर और जीसीआई शीट से बने छह शेड शामिल हैं। फायर और आपातकालीन सेवा विभाग ने बताया कि जीसीआई शीट के सभी शेड और घरेलू सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा पांचों एक मंजिला इमारतों और दोनों दो मंजिला घरों के एक तरफ की छतें, दरवाजे, खिड़कियां और अन्य सामान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारी ने कहा कि गर्मी, धुआं और पानी ने आस-पास की आवासीय इकाइयों को भी अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाया। ऑन-ग्राउंड फायर ऑफिसर ने पुष्टि की कि एफएंडईएस मुख्यालय, सफाकदल, शाल्टेंग, मुजगुंड, बाबाडेम्ब और एमआर गंज सहित कई स्टेशनों से अग्निशमन इकाइयों को सेवा में लगाया गया। उन्होंने कहा कि आग पर आखिरकार रात 12 बजे के करीब काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग के कारणों की जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर सरकार की कैबिनेट बैठक आज शाम होगी श्रीनगर सिविल सचिवालय में

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार की कैबिनेट बैठक आज शाम 7 बजे श्रीनगर स्थित सिविल सचिवालय में होगी। एक कैबिनेट मंत्री ने बताया कि कैबिनेट की बैठक शाम 7 बजे सिविल सचिवालय में होगी जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बैठक के एजेंडे में वन विभाग, नए पर्यटन प्रस्तावों और आरक्षण रिपोर्ट पर संभावित विचार-विमर्श से जुड़े मुद्दे शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि कोई आधिकारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन सरकार के सूत्रों ने कहा कि कैबिनेट उन प्रस्तावों पर विचार कर सकती है जो पिछले कुछ हफ्तों से विचाराधीन हैं। रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और प्रमुख विभागों के प्रमुखों को बैठक के लिए उपलब्ध रहने के लिए कहा गया है।

इस साल अमरनाथ यात्रियों को दोनों मार्गों पर नहीं मिलेगी हेलीकॉप्टर सेवा

श्रीनगर। इस साल यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं होगी। इसलिए यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और उत्तर कश्मीर के बालटाल मार्ग से पैदल या टट्टुओं और पालकियों का उपयोग करके पवित्र गुफा मंदिर तक पहुंचने की सलाह दी गी है। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने बुधवार को कहा कि यात्रा के पहलगाम और बालटाल मार्गों को 1 जुलाई से 10 अगस्त तक नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। इसके चलते तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं यात्रा क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होंगी। बोर्ड ने यात्रा के दौरान तीर्थस्थल पर जाने की योजना बनाने वाले सभी तीर्थयात्रियों को इसका ध्यान रखने की सलाह दी है। तीर्थयात्री पैदल पवित्र गुफा मंदिर तक पहुंच सकते हैं या यात्रा के दौरान टट्टुओं और पालकियों की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

केंद्र के 11 साल-संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रमों की फीडबैक से भाजपा गदगद

पंचकूला में हुई भाजपा की समीक्षा बैठक, बडौली बोले-मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल

संवाददाता
चंडीगढ़

मोदी सरकार के 11 साल-संकल्प से सिद्धि तक के तहत प्रदेश भर में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की फीडबैक से भारतीय जनता पार्टी गदगद है। बुधवार को पंचकूला के प्रदेश कार्यालय पंचकमल में हुई समीक्षा बैठक में प्रदेश भर में अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली इस कार्यक्रम की संयोजक एवं राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा की मौजूदगी में हर जिले में हुए कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई। जिसमें सभी ने संतुष्टि जताई कि मोदी सरकार की उपलब्धियों को बताने में भाजपा के कार्यकर्ता सफल हो रहे हैं। बैठक में प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, जवाहर सैनी, नागेंद्र शर्मा, जसबीर दौड़वा, निताशा सिहाग आदि वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

बैठक में मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को लेकर जिला व प्रदेश स्तर पर हुए कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का फीडबैक लिया गया। बैठक में मौजूद कार्यक्रमों के संयोजकों ने ग्राउंड लेवल पर हो रही गतिविधियों की जानकारी विस्तार से बैठक में रखी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं से लिए फीडबैक पर संतुष्टि जताई और कार्यकताओं की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों विश्व पर्यावरण दिवस, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस और संविधान हत्या दिवस को लेकर बैठक में जरूरी दिशा निर्देश भी दिए गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल रहे हैं। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर हो रहे कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं में उत्साह, ऊर्जा और समर्पण का अद्वितीय वातावरण देखने को मिला, जो संगठन की ताकत और जनभागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी कार्यकर्ता मंडल स्तर पर लोगों को साथ लेकर योग करें और योग के प्रति जागरुक करें। श्री बड़ौली ने कहा कि 23 जून को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के मौके पर सभी शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कर डा. मुखर्जी के जीवन और बलिदान के बारे में लोगों को बताएं। संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम की संयोजक एवं सांसद रेखा शर्मा ने कार्यकताओं की मेहनत और परिश्रम से भाजपा के सभी कार्यक्रम धरातल पर सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता सेवा भाव, समर्पण और अनुशासन की मिसाल है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 23 जून से 6 जुलाई तक चौपाल, मोहल्ला बैठक और संकल्प सभाएं होनी है। इन दिनों में सेवा के कार्य करें और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें। रेखा शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे हैं। ये 11 साल विकास, विश्वास और बदलाव के रहे हैं। आज देश का हर नागरिक बदलते भारत को देख रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को हमें मोदी सरकार की हर योजना और उपलब्धियों की जानकारी कार्यक्रमों के माध्यम से देनी है।

शहरी स्थानीय निकाय द्वारा दी जाने वाली 31 ऑनलाइन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा: विपुल गोयल

संवाददाता
चंडीगढ़

- बोले, आमजन तक सरकारी सेवाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाना है नरेंद्र मोदी व नायब सैनी सरकार का लक्ष्य

डिजिटल गवर्नेंस भाजपा सरकार का एक अहम मुद्दा है। इसी कड़ी को सशक्त करते हुए हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय, राजस्व व आपदा प्रबंधन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए शहरी स्थानीय निकाय द्वारा जिन 31 सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है उन सर्विसेज को और भी प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग को यह सुनिश्चित करना है कि ऑनलाइन सेवाएं हर व्यक्ति के पहुंच में है और इसके प्रबंधन में कोई त्रुटि न आए।

मंत्री विपुल गोयल बुधवार को सिविल सचिवालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की आईटी एक्टिविटी को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी सेवाओं की लगातार मॉनीटरिंग होती रहनी चाहिए। उन्होंने विशेष जोर देकर कहा कि विभाग द्वारा आमजनों द्वारा दर्ज की गई समस्याओं की त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित की जाए, ताकि सभी को सुगमता से सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। समयबद्ध रूप से सभी निदेशों पर कार्य करने का आह्वान करते हुए मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि बैठक में रखे गए बिंदुओं एवं पूरी प्रक्रिया की एक महीने बाद वे स्वयं पुनः समीक्षा करेंगे।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी आईडी बनवाने में लोगों को दिक्कत न आए और इसके पोर्टल को और भी अधिक प्रभावी बनाया जाए। मंत्री विपुल गोयल ने अधिकारियों को साफ निर्देश देते हुए कहा कि प्रॉपर्टी आईडी से जुड़े विषयों की वे स्वयं मॉनिटरिंग करें और साप्ताहिक समीक्षा बैठक भी अवश्य लें। इसके साथ उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स भरने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया जाए और टैक्स न भरने वाले लोगों को भी टैक्स भरने के लिए जागरूक किया जाए।

डिजिटल गवर्नेंस को मजबूती देते हुए विपुल गोयल ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म को और सक्रिय व मजबूत बनाया जाए और लगातार सोशल मीडिया के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग से जनसाधारण के नजदीक पहुंचकर उनसे निजी स्तर पर संवाद स्थापित करना आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाया गया प्रभावी मॉडल है एवं हमें इसका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं सुगमता से मुहैया हो सकें जिसके लिए शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी समयबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। मंत्री विपुल गोयल ने लगातार कार्यों की भी मॉनीटरिंग करने पर जोर दिया और लापरवाही बरतने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

15 दिनों में घर तक डाक के माध्यम से पहुंच जाएगा फोटोयुक्त मतदान पहचान पत्र: पंकज अग्रवाल

संवाददाता
चंडीगढ़

- हर स्टेज पर रियल टाइम की होगी ट्रेकिंग
- मतदाता को एसएमएस माध्यम से दी जाएगी जानकारी

हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता तक फोटोयुक्त पहचान पत्र 15 दिनों के अंदर-अंदर पहुंचाने के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। उन्होंने बताया कि मतदाता के नए पंजीकरण, वर्तमान मतदाता के रूप में किसी प्रकार का बदलाव इत्यादि में संशोधन करने उपरांत यह सेवा उपलब्ध होगी। इसके लिए डाक विभाग के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र मतदाता तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस नए सिस्टम के तहत हर स्टेज पर समय की सही ट्रेकिंग होगी और हर स्टेज पर मतदाता को उसके मोबाइल फोन पर एसएमएस के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। इससे सेवा व वितरण में सुधार होगा और डाटा सुरक्षा भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की मतदाताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

उल्लेखनीय है कि पिछले चार महीनों में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेष कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु व डॉ. विवेक जोशी ने मतदाताओं व अन्य हितधारकों के लाभ के लिए कई नई पहल की हैं।

शिवाला रामकुंडी मे 2 दिवसीय योग शिविर का हुआ आयोजन

संवाददाता
लाड़वा

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून ब्रह्म सरोवर कुरुक्षेत्र के सफल आयोजन हेतु पतंजलि योग समिति लाडवा की तरफ से स्थानीय शिवाला राम कुंडी में दो दिवसीय विशाल योग शिविर एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों योग साधकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर में आए हुए सभी योग साधकों को रोगानुसर योगासन प्राणायाम व्यायाम ध्यान एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा आयुर्वेद आदि से उपचार की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त योग प्रोटोकॉल का भी सभी साधकों को अभ्यास करवाया गया ताकि 21 जून को एक लाख लोगों के विश्व रिकॉर्ड बनने में सभी की एकरूपता बन सके। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी लाडवा मंडल के अध्यक्ष शिव गुप्ता ने दीप जलाकर किया। उनके साथ भारत स्वाभिमान हरियाणा के राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य एवं महामंत्री अशोक मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में

शिविर में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने सबको संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सपना योग युक्त नशा मुक्ति हरियाणा को सफल एवं साकार करने के लिए योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज कुरुक्षेत्र आ रहे हैं एवं एक लाख लोगों का एक साथ योग करने का विश्व रिकॉर्ड बन रहा है। उन्होंने सभी लाडवा वासियों से 21 जून के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरियाणा के प्रभारी ईश आर्य ने बताया कि कुरुक्षेत्र के सभी 400 से अधिक गाँव में पतंजलि के कार्यकताओं ने घर-घर जाकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का निमंत्रण दिया है एवं प्रत्येक गांव से हर घर योग घर-घर योग का नारा बुलंद किया है। योगाभ्यास की शुरूआत भारत स्वाभिमान हिसार के जिला प्रभारी डॉक्टर मुकेश कुमार ने करवाई और उन्होंने सभी योग साधकों को प्राणायाम एवं सूक्ष्म व्यायाम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तिगत जीवन के लिए योगासन प्राणायाम व्यायाम एवं ध्यान का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नियमित दिनचर्या संयमित खान पान एवं उचित नींद भी स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। योगाचार्य कमल किशोर ने आए हुए सभी साधकों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। पतंजलि योग समिति लाडवा के योग शिक्षक ओमप्रकाश मल्होत्रा ने बताया कि इस शिविर का आयोजन लाडवा के लोगों को 21 जून ब्रह्म सरोवर कुरुक्षेत्र में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पतंजलि के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी 19 एवं 20 तारीख को सभी गांव में प्रवास करेंगे ग्राम वासियों से मिलकर उनका योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देंगे एवं 21 जून को ग्रामवासी एवं लाडवा शहर वासी मिलकर विश्व रिकॉर्ड में अपनी बड़ी आहुति देंगे। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से स्वामी विश्व देव, प्राज्यम देव, विज्ञान देव, आयुष विभाग हिसार से डॉक्टर महेंद्र सिंह पश्चिम उत्तर प्रदेश के राज्य प्रभारी विपिन आर्य बीजेपी लाडवा मंडल के कोषाध्यक्ष अमन सिंगल महिला पतंजलि योग समिति से बबीता रानी सुमन गर्ग उपाध्यक्ष ओम सी, ओमवीर लाल, आचार्य विकास, अजय पोपली, अशोक सेन, विजय तनेजा, ओम सिंह, जय कुमार, विनय मल्होत्रा, रामकुमार, अनिल पानू उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

राइट टू सर्विस एक्ट के तहत शिकायतों का करें समयबद्ध निपटान

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों व निगमों के मुख्य प्रशासकों और प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी निदेशों में कहा गया है कि सभी प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारियों (एफआरजीए) तथा द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारियों (एसजीआरए) द्वारा, नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों का निपटारा अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाना अनिवार्य है। यह भी कहा गया है कि प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी तथा द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी हर सोमवार को लंबित शिकायतों की सूची बनाकर अपने पास रखें और सप्ताह भर में प्राथमिकता के आधार पर उनका निपटारा करवाने के प्रयास करें। इस प्रक्रिया से शिकायत निवारण की गति में तेजी आएगी और नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

एमडीयू ने विभिन्न विषयों की डेट सीट जारी की

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक की पीजी पाठ्यक्रमों (ऑफलाइन/ऑनलाइन मोड) डिस्टेंस मोड की एमए/एमएससी/एमकॉम की तीसरे व चौथे सेमेस्टर की फ्रेश, री-अपीयर व इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं 27 जून से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि डिस्टेंस मोड की एमए/एमएससी/एमकॉम के प्रथम व दूसरे सेमेस्टर (ऑफलाइन/ऑनलाइन मोड) की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं 12 जुलाई से प्रारंभ होंगी। उपरोक्त पाठ्यक्रमों की परीक्षा की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ब्रह्मसरोवर पर 21 को योग दिवस पर बनेगा रिकार्ड: शिव गुप्ता

लाड़वा। लाड़वा के मण्डल शिव गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत कर जानकारी देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इतिहास बनने जा रहा है। मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि ये योग दिवस एक रिकॉर्ड बनाएगा जिसमे लाड़वा व हल्के से एक लाख से ज्यादा योग साधक पहुचेंगे व योग करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ बाबा रामदेव भी कुरुक्षेत्र पहुचेंगे। लाड़वा की हर गली व मोहल्ले में योगा की महक की सुगंध आ रही है। इस सुगंध के साथ प्रत्येक नागरिक जुड़न लगा है, कुरुक्षेत्र में पहली बार होने वाला राज्य स्तरीय योग दिवस भव्य और यादगार योग महाकुंभ के रूप में अपनी एक पहचान बनाएगा। इस योग दिवस के निमंत्रण देने के लिए योग शोभा यात्रा व सुबह के समय प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी के तहत मण्डल अध्यक्ष शिव गुप्ता गाँव व शहर मे प्रचार करके योग दिवस मे पहुँचने का न्योता दे रहे हैं। शिव गुप्ता ने लोगों को 21 जून को सुबह 5 बजे ब्रह्मद्दसरोवर व मेला क्षेत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। लाड़वा विधानसभा के गांवों से लाने-ले जाने के लिए प्रर्याप्त मात्रा में बसों का प्रबंध किया गया है। इस महोत्सव को लेकर घर-घर जाकर लोगों को निमंत्रण दिया जा रहा है। इस योग महाकुंभ में योग ऋषि स्वामी रामदेव खुद लोगों को योग करवाएंगे। यह दृश्य आकर्षण का केन्द्र रहेगा। कुरुक्षेत्र के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे। इस इतिहास को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गृह जिले में बनता देखकर कुरुक्षेत्र का नाम पूरी दुनिया में योग के रूप में भी जाना जाएगा। इस अवसर पर उनके विनोद शर्मा सलेमपुर, अमन गुप्ता, जितेंद्र काका व विजय कौशिक उपस्थित रहे।

लाड़वा सीएम सिटी में बरसात से पहले जाम पड़े नालों को साफ करने का शुरू कर दिया अभियान

अनिल गोयल
लाड़वा

लाड़वा मे चलाया नालों की सफाई का विशेष अभियान, स्वच्छता पखवाड़ा के लाड़वा नगरपालिका द्वारा लोगों को किया सफाई के प्रति जागरूक लाड़वा के नगरपालिका सचिव नीरज सैनी ने जानकारी देते हुए कहा कि आयुक्त सतेंद्र सिवाच के दिशानिदेर्सानुसार लाड़वा मे सफाई अभियान चलाया हुआ है। इस कड़ी में शिवाला रामकूँड़ी लाड़वा से बाबैन चौक तक सभी नालों की साफ-सफाई की गई। जो नाले ब्लॉक पड़े हुए थे उनको खोल कर साफ किया गया। सचिव ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने जीवन में स्वच्छता अपनाएं व पॉलीथिन का प्रयोग न करें क्योंकि पोलोथीन गलता नहीं है। जिसके कारण वो नालों मे फंस जाता है। जिससे नाले ब्लॉक हो जाते हैं। कूड़ा भी निश्चित

कूड़ेदान में ही डालें। उन्हें इधर-उधर ना फेंके, क्योंकि हवा के कारण वह पालीथिन उडकर के नालों में चला जाता है, जिस से नाला जाम होता है। उन्होंने कहा कि जब तक लोगों की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा तब तक इस समस्या से लडना पड़ेगा। सचिव ने कहा कि शहर में बरसात से पहले जाम पड़े नालों को साफ करने का अभियान शुरू कर दिया है। सभी नालों को समय रहते साफ कर दिया जाएगा, ताकि जलभराव की समस्या पैदा न हो। मौके पर मौजूद संजय कुमार, बलदेव कुमार सफाई कर्मचारी, गौरव उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने डीजीएचएस और झज्जर, गुरुग्राम और सोनीपत के सीएमओ के साथ समीक्षा बैठक की

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने आज अपने चंडीगढ़ आवास पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) तथा झज्जर, गुरुग्राम और सोनीपत के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन के विस्तृत आकलन के साथ-साथ तीनों जिलों में संसाधनों की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने जमीनी स्तर पर मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की और स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा की।

कुमारी आरती सिंह राव ने सेवा वितरण में संवेदनशीलता और जवाबदेही के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह

सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ, उत्तरदायी और रोगी-केंद्रित हों, खासकर वंचित और दूरदराज की आबादी के लिए आसानी से मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता प्रत्येक नागरिक की भलाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक सुविधा कुशलतापूर्वक काम करे और प्रत्येक योजना अपने इच्छित लाभार्थी तक पहुंचे।

स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को बजटीय प्रावधानों, जनशक्ति आवश्यकताओं और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के मामले में राज्य सरकार से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा में एक मजबूत, अधिक समावेशी और लचीली सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में डीजीएचएस डॉ. मनीष बंसल, डीजीएचएस (पी) डॉ. कुलदीप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश में तीव्रता से हो रहे समान विकास कार्य: कृष्ण लाल पंवार

संवाददाता
चंडीगढ़

- कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों के साथ की इसराना विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यो की समीक्षा बैठक
- बैठक में एमपीलैड और अन्य 8 योजनाओं पर हुई विस्तार से चर्चा

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बुधवार को पानीपत में जिला सचिवालय में इसराना विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो कार्य अधूरे हैं, उन्हें शीघ्रता से पूरा किया जाए और अन्य कार्यों को भी तीव्र गति से शुरू किया जाए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश में समानता से विकास कार्यों को किया जा रहा है। नौल्था गांव में बन रहे कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य को लेकर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि स्टेडियम का 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने वैसर व खण्डरा के स्टेडियम के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी ली। कृष्ण लाल पंवार ने सौदापुर में हरिजन चौपाल, स्टेडियम में हॉल व शौचालय का निर्माण तथा अलुपुर में कच्ची फिरनी के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने हर स्थल पर तत्परता और जिम्मेदारी से कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि उरलाना कलां में हरिजन चौपाल में महिला चौपाल निर्माण कार्य का टेंडर हो चुका है, शीघ्र ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

ब्लॉक स्तर पर स्थापित होने वाले हेल्प डेस्क वन स्टॉप सेंटर के रूप में करेंगें कार्य

भवन व अन्य सन्निर्माण कार्य से जुडे.श्रमिकों के लिए ब्लॉक स्तर पर स्थापित होंगे हैल्प-डेस्क: विज

संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में भवन व अन्य सन्निर्माण के कार्य से जुड़े श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु पूरे प्रदेश में मण्डल स्तर (ब्लॉक स्तर) पर हैल्प-डेस्क स्थापित किए जाएंगे। श्रम मंत्री, जोकि हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के चेयरमैन भी है, ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है।

उन्होंने बताया कि राज्य में भवन निर्माण में लगे श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन हैल्प-डैस्क को ब्लॉक स्तर पर स्थापित किया जाएगा, जो वन स्टॉप सेंटर के रूप में कार्य करेंगे। इन हैल्प डैस्कों पर श्रमिकों के पंजीकरण, विभिन्न योजनाओं के लाभ लेने हेतु सहायता, श्रमिकों को जागरूक करना और भवन निर्माण में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं के निवारण सम्बन्धी कार्य करने होंगे।

श्री विज ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा इन हैल्प डैस्क सेंटरों के माध्यम से भवन निर्माण से जुड़े श्रमिकों हेतु संचालित कल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों के प्रंसस्करण में तेजी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, विभाग का वर्तमान ध्यान कनेक्ट पॉइंट्स और सेवा वितरण बिंदुओं की जमीनी स्तर की भागीदारी को भी बढाना है। इसीलिए मण्डल स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे।

श्री विज ने बताया कि हरियाणा में भवन निर्माण में लगे श्रमिकों को विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं को लाभ प्रदान किया जाता है जिनमें मातृत्व लाभ 36 हजार रुपये, पितृत्व लाभ 21 रुपये, पंजीकृत कामगार के बच्चों की शिक्षा हेतु दिए जाने वाले लाभों के अंतर्गत बच्चों की पहली कक्षा से उच्च शिक्षा तक की वार्षिक वित्तीय सहायता 8,000 रुपये से 20,000 रुपये तक, पंजीकृत

कामगारों के मेधावी बच्चों के 10वीं/12वी की परीक्षा में 60 प्रतिशत से 90 प्रतिशत अंक प्राप्ति पर 21 हजार रुपये से 51 हजार रुपए छात्रवृत्ति, वास्तविक सरकारी खर्च के अनुसार कामगार के बच्चों को प्रोफेशनल व टेक्निकल कोर्स हेतु पूर्ण शैक्षणिक व्यय की प्रतिपूर्ति, कामगार के बच्चों को व्यावसायिक संस्थानों में हॉस्टल सुविधा हेतु एक लाख 20 हजार रुपये तक सहायता राशि, पंजीकृत कामगार के बच्चों को व्यावसायिक कोर्स की कोचिंग हेतु 20 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक सहायता राशि, पंजीकृत निर्माण कर्मकार की पुत्री के लिए इलैक्ट्रिक स्कूटर की खरीद के लिए 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और मुख्यमंत्री श्रम योगी प्रतिभावान योजना के तहत लैपटॉप हेतु 49 हजार रुपये की राशि दी जाती है।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार, साइकिल की खरीद के लिए 5,000 रुपये, औजार के लिए अनुदान 8,000 रुपये, सिलाई मशीन के लिए 4,500 रुपये, मुख्यमंत्री महिला निर्माण श्रमिक सम्मान योजना के तहत 5,100 रुपये, कन्यादान योजना के तहत 03 बच्चों की शादी हेतु वित्तीय सहायता (सुपुत्री) के लिए 1,01,00 रुपये, महिला श्रमिक की स्वयं की शादी हेतु वित्तीय सहायता 50,000 रुपये की राशि दी जाती है।

इसी तरह, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण पर वास्तविक किराए की प्रतिपूर्ति के तहत वास्तविक रेल (द्वितीय श्रेणी) बस (साधारण) किराए की भरपाई और पैतृक घर जाने पर वास्तविक किराए की प्रतिपूर्ति के तहत वास्तविक रेल (द्वितीय श्रेणी)/बस (साधारण) किराए की भरपाई की जाती है। ऐसे ही, चिकित्सा सहायता (मजदूरी क्षतिपूर्ति) के अंतर्गत न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मजदूरी की भरपाई, घातक बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता के तहत एक लाख रुपए तक सहायता, अपंगता सहायता के अंतर्गत डेढ रुपये से 3 लाख रुपए, अपंगता पेंशन 3 हजार रुपए प्रतिमाह, अक्षम बच्चों को 3 हजार रुपए वित्तीय सहायता प्रतिमाह, पेंशन (60 वर्ष उपरांत) 3,500 रुपये प्रतिमाह, पारिवारिक पेंशन 1,750 रुपये प्रतिमाह, विधवा पेंशन 3000 रुपये प्रतिमाह, मुख्यमंत्री श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत मृत्यु पर वित्तीय सहायता के अंतर्गत कार्यस्थल पर दुर्घटना में 5,15,000 रुपये और अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर दुर्घटना में अपंगता होने पर डेढ लाख रुपए से 3 लाख रुपए और मृत्यु हो जाने पर वित्तीय सहायता 4 लाख रुपये दी जाती है।

उन्होंने बताया कि मकान की खरीद/निर्माण हेतु ब्याज मुक्त ऋण 2 लाख रुपये तक और मुख्यमंत्री पंजीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत 1,100 रुपये की राशि श्रमिकों को दी जाती है।

संपादकीय

भारत बना जी-7 समिट का फोकस, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री का बदला रुख

यह बात सौलह आने सच है कि कनाडा के कानानास्किस में चल रही जी-7 बैठक में भारत की भूमिका सिर्फ एक पर्यवेक्षक तक सीमित नहीं रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी ने इस बार के शिखर सम्मेलन को विशेष बना दिया। खास बात यह रही कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत के प्रति नरम रुख दिखाते हुए पीएम मोदी से लंबी चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्जीवित करने की इच्छा जताई। यह वही कनाडा है जिसके साथ हाल के वर्षों में भारत के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर खालिस्तानी गतिविधियों और राजनीतिक मतभेदों के चलते। लेकिन मौजूदा परिदृश्य में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में नई उम्मीदें जगाई हैं। आइये समझते हैं कि आखिर जी-7 समिट में भारत की मौजूदगी क्यों खास है। जी7 यानी ग्रुप ऑफ सेवन—एक ऐसा मंच है जिसमें दुनिया के सात सबसे बड़े विकसित लोकतांत्रिक देश शामिल हैं: अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। भारत, हालांकि जी7 का सदस्य नहीं है, फिर भी हर साल इसे बतौर विशेष अतिथि आमंत्रित किया जाता है। भारत की भागीदारी इस बार इसलिए ज्यादा अहम रही क्योंकि वैश्विक मुद्दों जैसे जलवायु परिवर्तन, इंडो-पैसिफिक सुरक्षा, रूस-यूक्रेन युद्ध, और वैश्विक आर्थिक मंदी पर भारत का रुख अब निर्णायक माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब सिर्फ विकासशील देश नहीं बल्कि वैश्विक नीति निर्धारण में अहम भूमिका निभा रहा है। इस बैठक में एक बात खास और हुई वह यह कि कनाडा के साथ भारत के समीकरण बदल गये हैं यानि खटास से संवाद तक दोनों देश पहुंच चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत-कनाडा संबंधों में भारी गिरावट आई थी। कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता, सिखों के धार्मिक स्थलों पर हमले, और भारत विरोधी रैलियों पर कनाडा सरकार की चुप्पी ने भारत को खफा कर दिया था। सितंबर 2023 में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों ने तो स्थिति और भी तनावपूर्ण बना दी थी, जब उन्होंने सार्वजनिक रूप से भारत पर एक सिख नेता की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। लेकिन अब समय बदल रहा है। 2024 के अंत में कनाडा में हुए आम चुनावों में नया नेतृत्व आया और मार्क कार्नी प्रधानमंत्री बने। वे अर्थशास्त्र और वैश्विक नीति में गहरी समझ रखने वाले नेता हैं। उन्होंने भारत के साथ संबंध सुधारने के संकेत पहले ही दे दिए थे, और इस बार जी-7 समिट में उन्होंने पीएम मोदी से विस्तार से बातचीत कर उस इरादे को स्पष्ट भी कर दिया। मार्क कार्नी ने भारत को रणनीतिक साझेदार मानने की पहल की है। मार्क कार्नी ने मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, ₹भारत न केवल आर्थिक शक्ति है बल्कि वैश्विक स्थिरता में एक भरोसेमंद साझेदार भी है। हम जलवायु, तकनीक और निवेश जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ मिलकर काम करने के इच्छुक हैं।₹ यह बयान सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि संकेत है कि कनाडा की विदेश नीति में भारत को लेकर अब एक नई सोच विकसित हो रही है। जी-7 मंच पर हुई इस मुलाकात से यह भी स्पष्ट हो गया कि पश्चिमी देश भारत को चीन के विकल्प के तौर पर देख रहे हैं, खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में। पीएम मोदी ने जी-7 बैठक में ₹वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर₹ की सोच को दोहराते हुए सतत विकास, डिजिटल समानता और वैश्विक दक्षिण की भागीदारी पर जोर दिया। भारत की ओर से यह संकेत दिया गया कि विकासशील देशों की आवाज को अब दरकिनार नहीं किया जा सकता। मोदी ने जलवायु वित्त, ऊर्जा संक्रमण, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारत के अनुभव साझा किए और जी-7 देशों से अपील की कि वे तकनीक और संसाधन के क्षेत्र में समानता सुनिश्चित करें। भारत और कनाडा संबंधों में कई संभावनाएं नजर आने लगी हैं। जैसे व्यापार और निवेश- दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियां पहले से ही मजबूत रही हैं, लेकिन राजनीतिक तनावों के चलते फ्री ट्रेड अग्रीमेंट पर वार्ता ठप हो गई थी। अब उम्मीद है कि बातचीत फिर शुरू होगी। शिक्षा और तकनीक- कनाडा भारतीय छात्रों का प्रमुख गंतव्य रहा है। भारत चाहता है कि छात्रों को वीजा, स्थायी निवास और रोजगार के क्षेत्र में पारदर्शिता मिले। आतंकवाद और सुरक्षा- भारत लगातार कनाडा से कहता रहा है कि वह अपनी जमीन को भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल न होने दे। इस बार की बातचीत में कार्नी ने इस पर भरोसा दिलाया है कि सुरक्षा सहयोग मजबूत किया जाएगा। जी-7 में भारत की भूमिका वैश्विक संतुलन की कुंजी के रूप में उभरी है। भारत की भागीदारी सिर्फ औपचारिक नहीं रही, बल्कि जी-7 के कई सत्रों में भारत की राय निर्णायक रही। चाहे वह जलवायु नीति हो, खाद्य आपूर्ति शृंखला हो, या फिर वैश्विक ऋण संकट—भारत का दृष्टिकोण अब नीति निर्धारण में जगह पा रहा है। पश्चिमी देशों को अब यह स्पष्ट हो गया है कि बिना भारत को साथ लिए वैश्विक संतुलन कायम करना मुश्किल होगा। इस बार की मोदी-कार्नी मुलाकात ने यह सिद्ध कर दिया कि कूटनीति में कोई दरवाजा हमेशा के लिए बंद नहीं होता। जहां एक ओर पहले ट्रूडो सरकार की बयानबाजियां भारत के लिए अपमानजनक थीं, वहीं अब कनाडा के नए प्रधानमंत्री के लहजे में सम्मान और समझदारी दिखी। दुनिया के बदलते समीकरणों में यह एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। विशेष रूप से भारत के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह एक और उपलब्धि है, जिसमें वैश्विक मंच पर वह अपनी शांति, समृद्धि और रणनीतिक गहराई के जरिए नए द्वार खोल रहा है। अंत में कह सकते हैं कि भारत और कनाडा के बीच संबंधों में आई ताजगी जी-7 शिखर सम्मेलन की सबसे सकारात्मक उपलब्धियों में से एक रही। जहां एक ओर भारत ने वैश्विक मंच पर फिर अपनी सक्रिय भूमिका दर्ज करवाई, वहीं कनाडा ने भी पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर साझेदारी की पहल की। इस परिवर्तन के पीछे दोनों देशों के नेतृत्व की परिपक्वता और कूटनीतिक समझ है। आने वाले समय में यदि यह संवाद निरंतरता बनाए रखता है, तो भारत-कनाडा संबंध एक बार फिर नई ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन कुछ उलझनों भरा हो सकता है। आपको कुछ ऐसे कार्य करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप टालना चाहते थे। जल्दबाजी से बचें, वरना निर्णय गलत हो सकता है। व्यापार में उधारी से दूर रहें। मां के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। तकनीकी समस्याएं काम में रुकावट डाल सकती हैं।

वृषभ: आपका प्रभाव कार्यक्षेत्र में बढ़ेगा और सहयोगियों के बीच आपकी प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी। जीवनसाथी की सलाह आज बेहद लाभदायक सिद्ध होगी। योजनाबद्ध ढंग से काम करेंगे जिससे सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। विपरीत परिस्थितियों में भी आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा।

मिथुन: कार्यस्थल पर प्रतियोगिता का माहौल रहेगा, लेकिन आप अपने समर्पण और अनुशासन से बाजी मार लेंगे। नये व्यापारिक सौदे हो सकते हैं, जिससे मुनाफा बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन में भी मिठास बनी रहेगी। आत्मविश्लेषण करने से आपके व्यक्तित्व में परिपक्वता आएगी।

कर्क: दिन की शुरूआत कुछ सिरदर्द या अस्वस्थता के साथ हो सकती है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और भाई-बहनों के साथ समय सुखद बीतेगा। आय के स्रोतों में बढ़ोतरी संभव है, लेकिन भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला न लें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक होगा।

सिंह: आपका प्रभाव आज भी लोगों पर बना रहेगा। हालांकि अत्यधिक काम की वजह से शाम को थकान और शरीर में दर्द हो सकता है। जीवनसाथी के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। अनावश्यक सलाह देने से बचें। मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी।

कन्या: आप आज लोकप्रियता के शिखर पर रहेंगे। कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे। यात्रा या पर्यटन की योजना बन सकती है। प्रेमी के साथ डेट पर जाने का अवसर मिलेगा। हालांकि, अनजान लोगों पर अधिक भरोसा करने से बचें।

तुला: स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। व्यापारियों के लिए यह दिन बेहद शुभ है। घर की साफ-सफाई व व्यवस्था पर ध्यान देंगे। आपके विरोधियों की चालें असफल होंगी। परंतु अति उत्साह में खर्च पर नियंत्रण रखें। ससुराल पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक: नौकरीपेशा लोग आज छुट्टी लेने का विचार कर सकते हैं। नये काम में नवीनता आएगी जिससे आप प्रेरित महसूस करेंगे। जीवनसाथी से किसी बात पर मतभेद हो सकता है। नए कार्य की शुरूआत सोच-समझकर करें। पुरानी गलतियों से सबक मिलेगा। शाम को सामाजिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं।

धनु: व्यापारिक दृष्टिकोण से यह दिन योजनाएं बनाने के लिए सर्वोत्तम है। कई रुके हुए कार्य पूरे होंगे जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभ कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। किसी की सलाह पर प्रतिक्रिया देने से पहले सोच-विचार अवश्य करें। आत्म-सम्मान और अहंकार में अंतर समझना जरूरी है।

मकर: आपको आज मानसिक दुविधा का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक चचाओं से दूर रहें। स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठायेंगे। वरिष्ठ आपके कार्यों की सराहना करेंगे। किसी भी निर्णय से पहले पूर्वाग्रह से मुक्त रहें, वरना गलत निर्णय हो सकता है। यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी।

कुंभ: दिनभर व्यस्तता बनी रहेगी। उच्च शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए अच्छे अवसर मिल सकते हैं। घर के सदस्यों को लेकर चिंता रह सकती है। बेवजह के मुद्दों में समय बर्बाद न करें। माइग्रेन से पीड़ित लोग यात्रा टालें। बड़े लक्ष्यों की ओर आकर्षण रहेगा, लेकिन व्यापार में सहयोगियों से विवाद की आशंका है।

मीन: नौकरी या व्यापार में पदोन्नति या कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। जरूरी कार्य दोपहर तक निपटा लेना बेहतर रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है। व्यापार में आ रही रुकावटें दूर होंगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। हालांकि, शारीरिक थकान महसूस हो सकती है।

नब्बे साल पहले छपे समाचार पर हिन्दी साहित्य जगत में उद्वेलन

एक पखवाड़ा बीत चुका है जब हिंदी साहित्य जगत अपनी भाषा के महान लेखक की अंतिम यात्रा को लेकर अब भी वाद-विवाद के दायरे से बाहर नहीं निकल पाया। साहित्यिक-बौद्धिक संसार के लिए यह स्थिति शुभ नहीं कही जा सकती। किसी भी भाषा के साहित्य की जीवंतता के लिए यह आवश्यक है कि उसके अतीत और वर्तमान को लेकर विचार, विमर्श और मंथन की प्रक्रिया अनवरत चलती रहे, पर हिन्दी में प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर जो परिदृश्य उपजा है, वो निराश करने वाला है। दुर्भाग्यपूर्ण तो यह भी है कि विवाद प्रेमचंद को लेकर एक नए तथ्य के संधान को लेकर हुआ है। शुरूआत हुई 30 मई को काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कवि-रंगकर्मी व्योमेश शुक्ल के साहित्यिक वेब पोर्टल 'हिन्दवी' पर लिखे एक आलेख पर। 'मास्टर की अर्थी नहीं, आशिक का जनाजा था' शीर्षक के इस आलेख में शुक्ल ने हिन्दी के महान उपन्यासकार-कथाकार प्रेमचंद की अंतिम यात्रा के संदर्भ में वाराणसी के शताधिक पुराने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र 'आज' के नौ अक्टूबर, 1936 में प्रकाशित एक समाचार 'स्वर्गीय प्रेमचंद जी- श्मशान पर साहित्यिकों की भीड़' के आधार पर यह तथ्य उद्घाटित किया कि प्रेमचंद की अंतिम यात्रा में 'बीस-पचीस आदमी' नहीं, 'साहित्यिकों की भीड़' थी।

दरअसल प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर हिन्दी लेखन जगत में गत नौ दशकों से यह बात स्थापित है कि उनकी शवयात्रा एक प्रतिष्ठित महान लेखक की तरह नहीं, बल्कि एक 'गुमनाम आदमी' की तरह निकली थी, जिसे देखकर राह चलते एक अनजान व्यक्ति ने किसी दूसरे से पूछा था- 'के रहल?' दूसरे ने जवाब दिया- 'कोई मास्टर था।' यह बात प्रेमचंद के बेटे अमृत राय ने अपने पिता की जीवनी 'कलम का सिपाही' में लिखी है। इस बात को शुक्ल ने कुछ क्षुब्ध भाव से लिखा है- ''प्रेमचंद जी की कहानियों, उपन्यासों और लेखों की तरह उनकी मृत्यु की ट्रैजिक गाथा भी हिंदी-लेखकों के सामूहिक अवचेतन में रिस गई है। कई पीढ़ियां मृत्यु की वही गाथा पढ़कर जवान हुईं, बूढ़ी हुईं और खप गईं।ह्वआज यह पता लगाना असंभव है कि अमृत राय ने ऐसा क्यों लिखा, लेकिन दैनिक 'आज' में 9 अक्टूबर 1936 को प्रकाशित खबर के आलोक में इतना बिलकुल साफ है कि उन्होंने जो कुछ भी लिखा है वह न सिर्फ अशिव, अशोभन और मिथ्या है, बल्कि सचाई को और ट्रैजिक बनाकर पेश करने की वासना का नतीजा भी है। प्रेमचंद का पार्थिव शरीर 'गुमनाम आदमी' की लाश नहीं था।''

इसे पढ़कर प्रेमचंद के वामपंथी धारा के अनेक आलोचकों-प्रशंसकों में उबाल आ गया। दरअसल वे इस बात को स्वीकार करने को तैयार ही नहीं कि अमृत राय अपने पिता की अंतिम यात्रा के बारे ने कुछ गलत लिख सकते हैं। वे भूल जाते हैं कि अमृय राय ने यह बात नन्ददुलारे वाजपेयी की पुस्तक 'जयशंकर प्रसाद' के एक अध्याय 'व्यक्ति की एक झलक' के आधार पर ही लिखी है। प्रेमचंद की मृत्यु के समय अमृत राय महज पंद्रह वर्ष के थे लेकिन जब उन्होंने 'कलम का सिपाही' लिखी तब तक वे पूरी तरह से वामपंथी धारा में रंग कर वामपंथी लेखक-संपादक के रूप स्थापित हो चुके थे। यह भी सत्य है कि हिन्दी ही नहीं, किसी भी भाषा के वामपंथी, प्रगतिशील विचारधारा के लिए कवि-लेखक साहित्यकार, पत्रकार और किसान का 'गरीब, बेबस और लाचार' होना एक अनिवार्य तत्व है।

इन्हें गरीब रहना और गरीब दिखना ही चाहिए। हिन्दी का यह लेखक 'गुमनामी में मरा' और 'कृतघ्न हिन्दी समाज' ने उन्हें पूरा सम्मान नहीं दिया; ये त्रासदी से भरा झूठ पीढ़ियों से हिन्दी के साहित्यिक समाज के बौद्धिकों को इतना प्रिय रहा है की आज तक किसी ने इस तथ्य को पलटकर देखने की कोशिश तक नहीं की। अब जब उस दौर के महत्वपूर्ण समाचार-पत्र के आधार पर शुक्ल ने एक नया तथ्य उजागर किया है तो हिन्दी के स्वयंभू मठाधीशों को असहनीय पीड़ा हो रही है। इस बात को साहित्य-संस्कृति से जुड़ी नई पीढ़ी अच्छी तरह जान चुकी है कि हिन्दी साहित्यिक समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो दुख का कारोबार करता है, जो हर दिन ये बताना चाहता है की हम और हमारे लेखक तो बड़े महान हैं मगर हिन्दी पाठक बड़ा कृतघ्न है। 'हमारे पिता ने / हमने बहुत-बहुत गरीबी में दिन बिताए हैं।' वामपंथी मध्यवर्गीय सोच का यह प्रिय वाक्य रहा है। यह कहते-लिखते हुए वह बार-बार ह्यदुःख के दागों को तमगों-सा पहनाङ्क' दोहराता है। लेखक का गरीब होना और उपेक्षित रहना इतना जरूरी बना दिया गया है कि लोकप्रिय होने, आभिजात्य जीवन शैली जीने, अच्छा खाने-पीने, ओढ़ने-बिछाने को हमारे यहां 'अपराध' माना जाने लगा।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अमृत राय ने अपने पिता प्रेमचंद की जीवनी लिखते हुए उनकी ऐसी बेचारी छवि जानबूझकर गढ़ी थी? क्योंकि वे तो वहां मौजूद थे। फिर उन्होंने ऐसा क्यों लिखा? जब उनके सामने नंददुलारे वाजपेयी की किताब

हरीश शिवनानी (हि.स.)

उपलब्ध थी तो परिपूर्णानन्द वर्मा की किताब 'बीती यादें' कैसे याद नहीं आई, जिसमें वे कहते हैं कि उनकी अंतिम यात्रा में वे स्वयं व कई अन्य लेखकों सहित जाने माने साहित्यकार जयशंकर प्रसाद सहित शहर के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे। हालांकि यह बात भी गौरतलब है कि 'कलम का सिपाही' अंततः एक पुत्र द्वारा लिखी जीवनी है और शायद इसीलिए उसका पूर्णतः वस्तुपरक न होना अस्वाभाविक नहीं। संभव है कि उस दौर के किशोरवय के अमृत राय के अवचेतन मन-मस्तिष्क में अपने पिता की छवि के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा में विशाल हुजूम उमड़ने की आकांक्षा हो, लेकिन उनकी जीवनी लिखते समय वे भूल गए कि यह जीवनी घर के लिए नहीं, सार्वजनिक वितान के लिए होगी। वर्ष 1962 के आते-आते परिपक्व वामपंथी हो चुके अमृत राय ने अपनी विचारधारा की प्रवृत्तियों के अनुरूप जीवनीकार के रूप में इन बातों का भरसक ध्यान रखा है कि प्रेमचंद के जीवन की तस्वीर से हमें उनकी अनुकृति या व्यक्ति-चित्र नहीं बनाना है बल्कि उनकी छवियां गढ़ते हुए उन सब छवियों को अपने मुताबिक स्थापित भी करना है।

बावजूद इसके, अमृत राय ने अगर मणिकर्णिका घाट पर प्रेमचंद के अंतिम दर्शनार्थ उपस्थित साहित्यिकों का उल्लेख नहीं किया, तो इससे उनकी लिखी जीवनी 'अशिव, अशोभन और मिथ्या' नहीं कही जा सकती और न ही 'उसकी विश्वसनीयता तार-तार' हो जाती है। यह जरूर कहा जा सकता है कि अमृत राय ने प्रेमचंद की एक विशेष छवि गढ़ने में पूरी ऊर्जा लगा दी। 'कलम का सिपाही' में बहुत से ऐसे प्रसंग मिलेंगे जब प्रेमचंद को लाचार और बेचारा बताया गया है। प्रो. कमल किशोर गोयनका ने प्रेमचंद के निजी, पारिवारिक जीवन और आर्थिक स्थिति के बारे में बरसों तक संधान करके कई मिथ्या मिथकों का तथ्यों सहित उनकी गढ़ी गई छवि का भंजन किया लेकिन हिन्दी के स्वयंभू प्रगतिशील वामपंथी आलोचकों ने बिलबिला कर उन्हें 'हिन्दुत्ववादी' घोषित कर खारिज कर दिया।

गोयनका ने प्रेमचंद के साहित्य और जीवन में अनेक नए तथ्य दिए किंतु उस वर्ग ने उसे मानने से इनकार ही नहीं किया बल्कि उन्हें अपमानित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इस वर्ग की जड़ता का आलम यह है कि प्रेमचंद की पत्नी शिवरानी देवी ने 'प्रेमचंद घर में' पुस्तक में प्रेमचंद के बारे में काफी कुछ ऐसा लिखा कि उसे भी वे स्वीकार नहीं कर पाते। अब समय आ गया है कि इसे दुर्भाग्यपूर्ण मिथकों से हिंदी-संसार बाहर निकले। ऐसी मिथ्या और दयनीय सवार्नुमतियां ही आलोचकीय निकष नहीं हो सकतीं। अब जब मिथक टूट रहे हैं तो पिछले 'इकोसिस्टम' के 'आलोचकों' को सचाई पर शक हो रहा है ? वरिष्ठ कवि उदयन वाजपेयी ने महत्वपूर्ण बात कही है कि प्रेमचन्द की गरीबी केवल वही नहीं है, उसे बहुत मेहनत से साहित्यिक मूल्य बनाया गया है। इसी मूल्य के आधार पर हिन्दी आलोचना के श्रीकांत वर्मा जैसा अपने महान कवि को हाशिए पर डाल देने जैसे कई आत्मघाती उपक्रम सम्भव हो सके। 'आज' की यह खबर और उस पर शुक्ल की व्याख्या के आलोक में हमें अपने दो धेले के बायोडेटावादी आलोचना-मूल्यों पर दोबारा विचार करना चाहिए।

किसी नामी साहित्यकार की अंतिम यात्रा में कम लोग आएं तो इसके कई कारण हो सकते हैं। उसके बावजूद वह नामी साहित्यकार नामी ही रहेगा। लेकिन किसी तात्कालिक मुद्रित प्रमाण से तथ्य का पता चले कि कहीं पर कम लोग नहीं थे, तो इस तथ्य को स्वीकार करने में संकोच या उस पर विवाद क्यों ? यह नव तथ्य का संधान है, संख्या या मात्रा को स्थापित करने की जिद नहीं। इसे स्वीकार करना होगा। व्योमेश शुक्ला ने नया तथ्य रखा है वो न केवल महत्वपूर्ण है बल्कि ऐतिहासिक भी है। जैसा कि वरिष्ठ लेखिका गरिमा श्रीवास्तव ने कहा है कि शुक्ल ने सभी बातें ससंदर्भ कही हैं। साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की प्रक्रिया विकसनशील होती है, होनी चाहिए। उन्होंने इतिहास प्रमाणित एक तथ्य रखा। इसे निजी शोधकर्ता का काम है तथ्यों को ढूंढ लाना जिसे पुनराविष्कार भी कहा जा सकता है। इस प्रक्रिया में भावुकता का स्थान कम ही होता है।

दरअसल इतिहास इसी तरह से बनता-बिगड़ता रहता है। एक नया तथ्य सामने आता है और पुरानी अनेक धारणाएँ खंडित हो जाती हैं, इतिहास का नया पाठ तैयार होने लगता है। शुक्ल ने अपने तथ्य का सूत्र 'आज' के समाचार से लिया है। 'आज' अपने समय का महत्वपूर्ण और विश्वनीय समाचार-पत्र था। उसके स्वामी शिव प्रसाद गुप्त और संपादक बाबू विष्णुराव पराड़कर की साख और समाज में महत्व असंदिग्ध था। भारत के स्वाधीनता आंदोलन में पत्रकारिता की भूमिका को लेकर आज भी 'आज' की मिसालें दी जाती हैं। यह भी गौरतलब है कि एक वेबपोर्टल पर नब्बे वर्ष पहले गुजरे प्रेमचंद पर आए एक आलेख पर सोशल मीडिया पर हुई व्यापक बहस और चर्चा हिन्दी समाज के व्यापक विवेक और जीवंत सांस्कृतिक चेतना की दस्तावेज है। इससे यह तथ्य भी उजागर होता है कि हिन्दी जगत का एक इकोसिस्टम अब भी अपनी रूढ़ और फैंटेसीनुमा रोमांटिसिज्म से बाहर आने को तैयार नहीं कि सत्य का एक दूसरा आयाम भी हो सकता है।

शुक्ल के नए संधान पर आपत्ति, आलोचना, असहमति के लिए परंपरागत प्रगतिशील खेमे ने तथ्यात्मक, सत्यात्मक तर्क गढ़ने की बजाए फिर 'ब्राह्मणवाद', 'प्रतिक्रियावादी', 'भगवावादी' जैसे रूढ़ और भोथरे औजारों के साथ सनातनी, हिन्दू धर्म के प्रतीक चिन्हों का भी नकारात्मक उपयोग किया। बेहतर होता वे वाद-विवाद की बजाए संवाद का रास्ता अपनाते तो उनकी धूमिल हो चुकी छवि कुछ विश्वसनीयता उत्पन्न करती। राजनीति की तरह साहित्य में भी वामपंथी विचारधारा घिस कर अप्रासंगिक हो चुकी है। यह हिन्दी की नई पीढ़ी का दायित्व है कि देश-विदेश के पुस्तकालयों और अभिलेखागारों में प्रेमचंद विषयक सामग्रियों को खोजें, उन्हें खंगाल कर उनका सम्यक, वस्तुपरक, यथार्थ विश्लेषण करे और वहां से अपनी कहानी शुरू करें जहां अमृत राय का वृतांत समाप्त होता है या उन प्रसंगों को उजागर करें जिन्हें उनके आलोचकों ने अभी नहीं छुआ है। नए साक्ष्य और सिद्धांत के आलोक में पूर्ववर्ती स्थापनाओं का पुनर्मूल्यांकन भी आवश्यक है। ज्ञान परंपरा का हर साधक उपलब्ध शोध सामग्रियों में अपने नए प्रश्नों के उत्तर ढूंढता है तथा ज्ञान के क्षितिज को नूतन विस्तार देता है। अंतिम सत्य यही है कि प्रेमचंद जैसे युगद्दष्टा लेखक की अंतिम यात्रा न तो उपेक्षित थी और न ही हिंदी समाज ने उनकी स्मृति की उपेक्षा की है। प्रेमचंद आज भी स्मरणीय हैं। उनकी साहित्यिक-सांस्कृतिक धरोहर आज भी प्रासंगिक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आसान नहीं ईरान के फोर्डो परमाणु स्थल को उड़ाना

मुकुंद (हि.स.)

इजराइल कई दिनों से ईरान को सामरिक चोट दे रहा है। ऐसी चोट जो ईरान को न रोने दे रही न हंसने दे रही। पिछले छह दिन से दोनों देश एक-दूसरे के आसमान से धरती पर कहर बरपा रहे हैं। इजराइल इस दौरान ईरान के कई प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों और शीर्ष सैन्य कमांडरों को ढेर कर चुका है। अमेरिका उस पर लगातार बिना शर्त समझौता करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है। वह समझौते को बेकरार हैं। यह बेकरारी इससे समझी जा सकती है कि वह कनाडा में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन को छोड़कर स्वदेश लौट आए और सीधे सिचुएशन रूम में अपने सैन्य रणनीतिकारों से विचार-विमर्श करने में जुट गए। माना जा रहा है कि इस दौरान ईरान के फोर्डो परमाणु स्थल पर इजराइल के हमले की योजना को लेकर भी चर्चा हुई। यह ईरान का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु सुविधा केंद्र हैं।

ईरान इसे लेकर बेहद संजीदा है। इसे उसने अभेद्य दुर्ग में तबदील कर रखा है। ईरान ने फोर्डो को कोम शहर के पास पहाड़ के नीचे विकसित किया है। फोर्डो ईंधन संवर्धन संयंत्र चट्टानों और मिट्टी के नीचे लगभग 80 मीटर (260 फीट) की गहराई पर है। इसे हवाई हमलों और सैन्य आक्रमण से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसको ईरान का माउंट डूम भी कहा जाता है। कहा तो यहां तक जाता है कि इसकी रक्षा के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली का बंदोबस्त है।

फोर्डो में काम 2009 में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक मिसाइल बेस के रूप में शुरू किया था। बाद में इसे यूरेनियम संवर्धन के लिए भूमिगत सुविधा में बदल दिया गया। इसे अमेरिकी और इजराइल शुरू से परमाणु हथियारों के उत्पादन के लिए एक संभावित खतरे के रूप में देख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और विशेषज्ञों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय ईरानी परमाणु सुविधा रही है। ईरान का एक और भूमिगत परमाणु संवर्धन स्थल नातांज है। इजराइल हमले के पहले दिन ही इसे निशाना बना चुका है। यह दोनों मध्य ईरान में तेहरान के दक्षिण में हैं।

माना जाता है कि फोर्डो को हवाई हमलों का सामना करने के लिए बनाया गया है। 2015 के परमाणु समझौते के तहत, इसे बिना संवर्धन के एक अनुसंधान सुविधा के रूप में इस्तेमाल किया जाना था, लेकिन 2019 के बाद ईरान ने यहां संवर्धन फिर से शुरू कर दिया। समूची दुनिया इसी बात को लेकर चिंतित है। हालांकि फोर्डो को कई लिहाज से अभेद्य माना जा रहा है, मगर कुछ रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के इस फोर्डो को नष्ट करने की क्षमता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि ईरान के आसमान पर अब हमारा पूरा नियंत्रण है। इजरायली सेना अमेरिका से खरीदे गए विमानों और हथियार प्रणालियों से लैस है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम से छनकर आई खबरों में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप फोर्डो में इजराइल के संभावित हमले में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उनके सबसे करीबी सलाहकार भी सहमत हैं कि अब फोर्डो को उड़ाने का समय आ गया है। ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि उन्हें पता है कि ईरान का सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छुपा है। हम फिलहाल उसे मारना नहीं चाहते। हालांकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नेता को निशाना बनाने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान भी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ईरानी परमाणु सुविधा केंद्र को समाप्त करने के लिए आगे की कार्रवाई करने का निर्णय ले सकते हैं। यह उनका अधिकार है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि ईरान के खिलाफ अब तक के पिछले हमलों का इतिहास बताता है कि उनके नतीजे अप्रत्याशित होते हैं। कोई 15 साल पहले सेंट्रीफ्यूज पर इजराइल के एक साइबर हमले ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल एक या दो साल के लिए ही धीमा किया था। इसके बाद ईरान परमाणु संवर्धन में वापस लौटा, तो वह पहले से कहीं अधिक ताकतवर हो गया था। जॉर्ज डब्ल्यू बुश के शासनकाल से पिछले दो दशकों में इजराइल और अमेरिका ने नातांज परमाणु संवर्धन केंद्र में हजारों सेंट्रीफ्यूज को निशाना बनाने के कई प्रयास किए हैं।

इजराइल सेंट्रीफ्यूज के लिए जरूरी पुर्जे बनाने वाले कारखानों को नष्ट कर चुका है। वह परमाणु हथियार कार्यक्रम में शामिल उसके प्रमुख वैज्ञानिकों को भी ठिकाने लगाता रहा है। हकीकत यह है कि इजराइल और अमेरिका के हर हमले के बाद ईरान का परमाणु हथियार कार्यक्रम और मजबूत हुआ है। मगर 2015 में हस्ताक्षरित समझौते के तहत ईरान को अपने 97 फीसद परमाणु ईंधन को छोड़ने और नातांज में संवर्धन को धीमा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। साल 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समझौते को आपदा बताते हुए पीछे हट गए। इसके तुरंत बाद ईरान ने परमाणु कार्यक्रम में तेजी के साथ काम करना शुरू कर दिया।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू तो यहां तक दावा करते हैं कि ईरान के पास अब भी नौ परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त ईंधन है। सवाल यह भी है ईरान ने फोर्डो परमाणु सुविधा स्थल के लिए कोम शहर को ही क्यों चुना? माना जा रहा है कि ईरानी शासक कोम को सबसे पवित्र शहर मानते हैं। यह देश का सातवा सबसे बड़ा महानगर है। कोम तेहरान के दक्षिण में 140 किलोमीटर (87 मील) दूर और को नदी के तट पर स्थित है। कोम को शिया इस्लाम में पवित्र माना जाता है, क्योंकि यह इमाम अली इब्न मूसा रिदा (फारसी में इमाम रजा 789-816) की बहन फातिमा बिन्त मूसा की दरगाह का स्थल है यकीन मानिए कि इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में यदि फोर्डो को उड़ा दिया जाता है तो इस पवित्र शहर की आत्मा इसके लिए अपने शासकों को जरूर कोसेगी। वह कहेगी फातिमा बिन्त मूसा को चैन से सोने भी नहीं दिया।

**(लेखक, ह

पंजाब ने स्थापित किया नया मील का पत्थर: सेवा लंबित दर देश में सबसे कम

निर्धारित समय-सीमा के भीतर 99.98% सेवाएं प्रदान की गईं, 48 लाख से अधिक नागरिकों को मिला लाभ: अमन अरोड़ा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के सुशासन सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमन अरोड़ा ने आज बताया कि पंजाब सरकार ने नागरिकों को समयबद्ध तरीके से 99.98% आवश्यक सेवाएं प्रदान कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ पंजाब देश का ऐसा राज्य बन गया है जहाँ सेवा प्रदान करने की लंबित दर सबसे कम है।

महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (मैगसीपा) में विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों और उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री अरोड़ा ने बताया कि 18 जून 2024 से 17 जून 2025 तक के एक वर्ष की अवधि में 48.85 लाख से अधिक नागरिकों ने विभिन्न लोक-हितैषी सेवाओं का लाभ उठाया। इनमें से 99.88% सेवाएं तय समय-सीमा के भीतर प्रदान की गईं, जबकि केवल 5868 सेवाओं (0.12%) में ही देरी हुई। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की प्रभावी सेवा प्रणाली को उजागर करती है। भारत सरकार द्वारा भी पंजाब को निर्धारित समय में सेवाएं प्रदान करने में पहला स्थान प्रदान किया गया है। श्री अरोड़ा ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा जिनकी सेवाएं पूरी तरह लंबित रहित (ी१ङ्क ढील्लीलिल्लू८) हैं। साथ ही, उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि जो अधिकारी या कर्मचारी बार-बार देरी करते हैं या अनावश्यक आपत्तियाँ लगाते हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने हेतु प्रमाणपत्र संबंधी आवेदनों की डिजिटल पुष्टि के लिए लगभग 98% अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों झ जैसे पटवारी, नगर पार्षद, सरपंच और नंबरदार झ की लॉगिन आईडी बनाकर उन्हें ऑनलाइन प्रणाली से जोड़ा जा चुका है। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की परेशानी को कम करना और दस्तावेजों की पुष्टि के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता को समाप्त करना है। श्री अरोड़ा ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की लोक-कल्याणकारी शासन व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने उपायुक्तों और विभाग की पूरी टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई दी। इससे पहले बैठक के दौरान श्री अरोड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिक सेवा डिलीवरी पोर्टल (ङ्खल्लल्ली३.स्न४ल्लुं.ङ्ख५.ल्ल) को और अधिक सुगम, कुशल और सुलभ बनाया जाए, ताकि लोग घर बैठे सेवाएं प्राप्त कर सकें और उन्हें किसी सरकारी दफ्तर या विभाग में जाने की आवश्यकता न पड़े। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विकास प्रताप ने भरोसा दिलाया कि पोर्टल को शीघ्र ही पुनः डिजाइन किया जाएगा और जन समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली भी सुनिश्चित की जाएगी।

अरनीवाला में दो और नशा तस्करों के घरों को गिराया गया, नशा तस्करी में शामिल लोगों का यही हश्र होगा: एस.एस.पी. फाजिल्का

संवाददाता
चंडीगढ़/फाजिल्का

श्री गौरव यादव, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, पंजाब, एवं श्री हरमनबीर सिंह गिल, आईपीएस, उप महानिरीक्षक पुलिस, फिरोजपुर रेंज के दिशा-निदेर्शों और श्री गुरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस कप्तान, फाजिल्का के नेतृत्व में फाजिल्का पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ विशेष मुहिम चलाई जा रही है।

इसी अभियान के तहत आज फाजिल्का पुलिस द्वारा थाना अरनीवाला क्षेत्र के नशा तस्कर जोगिंदर सिंह पुत्र दलिप सिंह उर्फ दारा सिंह निवासी अरनीवाला और उसकी पत्नी अमरजीत कौर के घर को ढहाया गया। दोनों पति-पत्नी नशा तस्करी के धंधे में लिप्त थे और उन्होंने पंचायत की जमीन पर अवैध निर्माण भी किया हुआ था। आज जब सिविल प्रशासन की ओर से पुलिस सुरक्षा संबंधी अनुरोध प्राप्त हुआ तो एस.एस.पी. फाजिल्का श्री गुरमीत सिंह स्वयं मौके पर पहुंचे और उक्त नशा तस्करों के घर को गिराने की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एस.एस.पी. फाजिल्का ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी नशा तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा और समाज विरोधी गतिविधियों में जो भी लिप्त होगा, उसका यही हश्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाइयाँ भविष्य में भी सिविल प्रशासन के साथ मिलकर निरंतर जारी रहेंगी। इससे पहले भी फाजिल्का पुलिस द्वारा चार नशा तस्करों के घरों को गिराने की कार्रवाई की जा चुकी है।

फाजिल्का पुलिस नशे के खिलाफ चल रही इस लड़ाई में एक अहम भूमिका निभा रही है। नशा तस्करों के खिलाफ हर स्तर पर शिकंजा कसते हुए, लगातार मादक पदार्थों की बरामदगी की गई है और युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकाला गया है। जहां एक ओर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नशे के आदी युवाओं को नशा मुक्ति केंद्रों में भर्ती करवा कर उनकी जिंदगी बचाई जा रही है। फाजिल्का पुलिस द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि वे इस लड़ाई में उनका साथ दें। यदि किसी को अपने आसपास किसी नशा तस्कर के नशा बेचने या खरीदने की जानकारी मिले तो वह फाजिल्का कंट्रोल रूम नंबर 85588-00900 या सेफ पंजाब चैटबोट नंबर 97791-00200 पर जानकारी दे सकता है। जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

इसके अतिरिक्त, यदि कोई नशा छोड़ना चाहता है, तो उसकी जानकारी भी उपरोक्त नंबरों पर दी जा सकती है। नशा करने वाले युवक और सूचना देने वाले दोनों का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा। नशा करने वाले युवक का पूरा इलाज निःशुल्क करवाया जाएगा और स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। आइए मिलकर कदम बढ़ाएं, नशा मुक्त पंजाब बनाएं।

युद्ध नशों विरुद्ध का 109वाँ दिन: 151 नशा तस्कर 3.5 किलो हेरोइन, 9.5 लाख रुपये की ड्रग मनी समेत गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

- नशा छुड़ाओ अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 116 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास इलाज के लिए प्रेरित किया

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर पंजाब को नशामुक्त बनाने हेतु चलाई जा रही मुहिम ह्लयुद्ध नशों विरुद्धह्व के 109वें दिन, पंजाब पुलिस ने 151 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 3.5 किलोग्राम हेरोइन, 1.3 किलोग्राम अफीम और 9.59 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इस प्रकार, पिछले केवल 109 दिनों में कुल गिरफ्तार नशा तस्करों की संख्या 18,104 तक पहुँच चुकी है।

यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाई गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने का स्पष्ट निर्देश दिया है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस लड़ाई की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

विवरण साझा करते हुए विशेष डी जी पी (कानून और व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि 107 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1900 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 250 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 566 स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें से 107 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि इस दिनभर चले ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 561 संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ और जांच की।

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भलाई सरकार की प्राथमिकता: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

समाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार हर वर्ग विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की भलाई के लिए गंभीर और निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उस समाज के गरीब, बुजुर्ग और नारी वर्ग की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर निर्भर करती है। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि पंजाब सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पारदर्शिता से और समयबद्ध रूप से पहुँचाया जाए।

यहाँ किसान भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने आंगनवाड़ी केंद्रों, ह्यअर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशनह्व, मिशन वात्सल्य के तहत चलाई जा रही बाल भिक्षावृत्ति मुक्ति मुहिम, पोषण ट्रैकर कार्य, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की रिक्त पदों की स्थिति, मगनरेगा के तहत आंगनवाड़ी भवनों और शौचालयों के निर्माण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष आंगनवाड़ी केंद्रों और शौचालयों का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाए।

डॉ. बलजीत कौर ने आदेश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों की दैनिक मॉनिटरिंग करना प्रत्येक ज़िला अधिकारी की ज़िम्मेदारी है। जो केंद्र नियमित रूप से नहीं खुल रहे हैं, उन पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने पोषण ट्रैकर ऐप के अधूरे कार्य को जल्द पूरा करके लागू करने और आंगनवाड़ी केंद्रों के उन्नयन में गति लाने के निर्देश भी दिए।

मंत्री ने मिशन वात्सल्य के तहत चल रही बाल भिक्षावृत्ति मुक्ति और पुनर्वास मुहिम का नेतृत्व निजी तौर पर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य में कार्यरत स्पेशलाइज्ड अडॉप्शन एजेंसियों के काम की समीक्षा करते हुए पिछले तीन वर्षों में हुई अडॉप्शन की विस्तृत जानकारी भी ली।

बैठक के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने विभाग के निदेशक को निर्देश दिए कि जो अधिकारी अपनी ज़िम्मेदारियों का उत्कृष्ट निर्वहन कर रहे हैं, उन्हें विभाग की ओर से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाए, ताकि अन्य अधिकारियों में भी उत्साह बढ़े।

उन्होंने यह भी जोर दिया कि जिन ज़िला अधिकारियों का कार्य प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अवश्य की जाए, ताकि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई लापरवाही न रह जाए।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा को नुकसान पहुँचाने और खालिस्तान समर्थक नारे लिखने, पोस्टर चिपकाने के आरोप में एसएफजे का कार्यकर्ता रेशम सिंह गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

- गिरफ्तार आरोपी ने भारत-पाक तनाव के दौरान लोगों और देशविरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए लिखे थे भड़काऊ नारे: डीजीपी गौरव यादव
- अब तक आरोपी रेशम को अपने विदेशी हैंडलरों से लगभग 8 से 10 लाख रुपये मिले: एआईजी एसएसओसी रवजोत ग्रेवाल

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के तहत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एस एस ओ सी) मोहाली ने आज प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एस एफ जे) के प्रमुख और अमेरिका आधारित गुरपतवंत सिंह पन्नू के करीबी सहयोगी रेशम सिंह को फिल्लौर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने और राज्यभर में खालिस्तान समर्थक नारे लिखने, चित्र बनाने और पोस्टर लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

इसकी जानकारी साझा करते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी—जो बरनाला जिले के गांव हमीदी का निवासी है—ने अमेरिका आधारित सुरिंदर सिंह ठीकरिवाल (जो यू ए पी ए के कई मामलों में वांछित है) और एस एफ जे प्रमुख पन्नू के निदेर्शों पर जून 2025 के पहले सप्ताह में फिल्लौर के नंगल में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया था। डीजीपी ने बताया कि आरोपी रेशम सिंह पर पहले भी पटियाला, फरीदकोट, जालंधर और अन्य जिलों में खालिस्तान और एस एफ जे के समर्थन में पोस्टर लगाने और नारे लिखकर सार्वजनिक संपत्ति को बार-बार नुकसान पहुँचाने के आरोप हैं। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया था। डीजीपी ने बताया कि मई 2025 में भारत-पाक तनाव के दौरान रेशम सिंह ने 'पाकिस्तान ज़िंदाबाद' और 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' जैसे भड़काऊ नारे लिखे ताकि लोगों और देशविरोधी भावनाओं को भड़काया जा सके। उन्होंने कहा कि सबूतों से यह भी सामने आया है कि उसे विदेशों से इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के लिए फंडिंग की जा रही थी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी को इससे पहले करनाल (हरियाणा) और संगरूर में दर्ज दो यू ए पी ए मामलों में देशविरोधी नारे, चित्र और पोस्टर लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

मतदाता फोटो पहचान पत्रों की डिलीवरी तेजी से करेगा भारतीय चुनाव आयोग

संवाददाता
चंडीगढ़

चुनाव सूची में नए मतदाताओं के नाम दर्ज किए जाने या मौजूदा मतदाताओं की जानकारी में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की स्थिति में मतदाता फोटो पहचान पत्रों की तेज डिलीवरी सुनिश्चित करने हेतु भारतीय चुनाव आयोग ने एक नई मानक संचालन प्रक्रिया लागू की है, जिसके तहत मतदाता पहचान पत्र 15 दिनों के भीतर जारी कर दिए जाएंगे। यह पहल मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए शुरू किए गए विभिन्न उपायों का हिस्सा है।

यह नई प्रणाली मतदाता फोटो पहचान पत्र के बनने से लेकर डाक के माध्यम से मतदाता तक पहुंचने तक के हर चरण की रियल-टाइम ट्रैकिंग सुनिश्चित करेगी। मतदाताओं को हर चरण पर एस एम एस के माध्यम से सूचनाएं प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें अपने पहचान पत्र की स्थिति की जानकारी मिलती रहेगी। इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग ने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म पर एक विशेष आई टी मॉड्यूल विकसित किया है। यह नया आईटी प्लेटफॉर्म मौजूदा प्रणाली का स्थान लेकर कार्य प्रणाली को और अधिक तेज और सुचारू बनाएगा। डाक विभाग के एप्लिकेशन प्रोग्राम इंटरफेस को सहज डिलीवरी के लिए ईसीआई नेट से जोड़ा जाएगा। यह पहल मतदाताओं को तेज और सुरक्षित चुनाव सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

भारतीय चुनाव आयोग का मुख्य उद्देश्य अपने सभी मतदाताओं को चुनाव संबंधी सेवाएं त्वरित एवं उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि पिछले चार महीनों के दौरान आयोग द्वारा मतदाताओं और अन्य हितधारकों के हित में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं।

एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. हथियारबंद सेनाओं के लिए एक 'फीडर संस्थान' के रूप में उभरा है: डायरेक्टर एच.एस. चौहान

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट द्वारा संस्था के 24 पूर्व कैडेटों को अचीवर अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

संवाददाता
चंडीगढ़

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई), एस.ए.एस. नगर द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) एवं अन्य सेवा प्रशिक्षण अकादमियों से स्नातक होकर सशस्त्र बलों में कमीशन प्राप्त करने वाले अपने पूर्व कैडेटों की उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें विशिष्ट अचीवर अवॉर्ड से नवाजा गया।

इस समारोह की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक निदेशक एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्य मेजर जनरल (से.नि.) बी.एस. ग्रेवाल, वी.एस.एम. ने की। इस अचीवर अवॉर्ड समारोह में ए.एफ.पी.आई. के 24 विशेष पूर्व कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें से आठ कैडेटों ने हाल ही में मई/जून 2025 में भारतीय सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त किया है।

मेजर जनरल बी.एस. ग्रेवाल ने कमीशन प्राप्त करने वाले कैडेटों को बधाई देते हुए कहा कि एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. में प्राप्त प्रशिक्षण उनके करियर के लिए एक लॉन्चपैड का कार्य करेगा। उन्होंने एन.डी.ए. स्नातकों को आगे की ट्रेनिंग के लिए शुभकामनाएं दीं और बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने में ए.एफ.पी.आई. के फैकल्टी सदस्यों की प्रतिबद्धता की सराहना की।

संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को साझा करते हुए एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वी.एस.एम. (से.नि.) ने बताया कि अब तक संस्थान के 255 कैडेट एन.डी.ए. और समकक्ष प्रशिक्षण अकादमियों के लिए चयनित हो चुके हैं, जिनमें से 178 कैडेट सशस्त्र सेवाओं में कमीशंड अधिकारी के रूप में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि 15 कैडेटों को पहले ही एन.डी.ए./समकक्ष अकादमियों से जॉइनिंग लेटर मिल चुके हैं और 11 अन्य कैडेट अपने जॉइनिंग लेटर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मेजर जनरल चौहान ने एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. संस्थान की भूमिका को हथियारबंद सेनाओं के लिए एक ह्यफीडर संस्थाह्व के रूप में रेखांकित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार के नेतृत्व में यह संस्थान सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और इसके शानदार परिणाम देशभर में दिखाई दे रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस समारोह में स्वास्थ्य मंत्री ने प्राकृतिक खाद्य अभ्यास अपनाने पर दिया जोर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के स्वस्थ समाज के निर्माण और पंजाब को पुनः ₹रंगला पंजाब₹ बनाने के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से, पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बुधवार को प्राकृतिक खेती की ओर लौटने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पहले के समय में खेतों में मेंढ़क और केंचुए ही प्राकृतिक खाद के रूप में काम करते थे और फसल की वृद्धि के साथ-साथ पौष्टिक भोजन का उत्पादन करते थे, बिना किसी रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के प्रयोग के। डॉ. बलबीर सिंह फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफ.डी.ए.) पंजाब द्वारा ₹विश्व खाद्य सुरक्षा दिवसझ2025₹ के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष की वैश्विक थीम ह्लफूड सेफ्टीः साइंस इन एक्शनह्व के तहत महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एम.जी.एस.आई.पी.ए.) में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों के नेतृत्व में कई सत्र आयोजित किए गए, जिनमें पंजाब की संदर्भ में खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। अपने संबोधन के दौरान, डॉ. बलबीर सिंह ने मिट्टी के स्वास्थ्य और मानव सेहत के बीच के गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए ताजे और जैविक भोजन की वकालत की और इसे अच्छी सेहत की नींव बताया।

पंजाब में फसल विविधीकरण, रीजेनरेटिव कृषि के लिए रोडमैप पर विशेषज्ञों ने चर्चा की

चंडीगढ़। पंजाब की बढ़ती कृषि और पर्यावरण चुनौतियों से निपटने के लिए एक ठोस प्रयास में, नेचर कंजरवेंसी इंडिया सॉल्यूशंस (एनसीआईएस) ने मंगलवार को चंडीगढ़ में एक उच्च स्तरीय वर्कशॉप ह्यफसल विविधीकरण पर स्टेकहोल्डर वर्कशॉपः रीजेनरेटिव कृषि के लिए रणनीतिह्व का आयोजन किया। प्रमोटिंग रीजेनरेटिव एंड नो बर्न एग्रीकल्चर (प्राना) प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में नीति, उद्योग, विज्ञान और खेती के क्षेत्रों से 100 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हुए। वर्कशॉप का उद्देश्य पंजाब के कृषि परिदृश्य को असंवहनीय प्रथाओं से रीजेनरेटिव, जलवायु-लचीले मॉडल की ओर बदलने के लिए एक सहयोगी रणनीति को सुगम बनाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नाबार्ड पंजाब के मुख्य महाप्रबंधक विनोद कुमार आर्य थे, उनके साथ पंजाब विकास आयोग के सदस्य शोइकत रॉय और एनसीआईएस के लीड ज्ञान प्रकाश राय भी वर्कशॉप का उद्घाटन करने के लिए शामिल हुए। वर्कशॉप में तीन विषयगत सत्र : ह्यपोपलर को लोकप्रिय बनानाः पंजाब में कृषि वानिकी की ओर बढ़नाह्व, ह्यखाद्य सुरक्षा से लेकर फल सुरक्षा तकः नाशपाती और किन्नू की खेती में अवसरह्व और ह्यकपास बेल्ट को पुनर्जीवित करनाः सबक और नवाचारह्व शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए, विनोद कुमार आर्य ने पंजाब की गेहूं-धान चक्र पर लंबे समय तक निर्भरता की पर्यावरणीय लागत को रेखांकित किया, जो वर्तमान में राज्य के सकल फसल क्षेत्र का 86% है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में पंजाब की महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, राज्य की गेहूं-धान चक्र पर अत्यधिक निर्भरता, जो इसके सकल फसल क्षेत्र का लगभग 86% है, ने मिट्टी के स्वास्थ्य और भूजल संसाधनों में गंभीर गिरावट ला दी है। रासायनिक इनपुट के अत्यधिक उपयोग ने मिट्टी के पोषक तत्व संतुलन को बाधित कर दिया है, जिससे एनपीके अनुपात अनुशंसित 4:2:1 से खतरनाक रूप से 24:6:1 पर पहुंच गया है, जबकि राष्ट्रीय औसत 8:3:1 है। शोइकत रॉय ने मौजूदा कृषि मॉडल की पारिस्थितिक और आर्थिक अक्षमताओं की ओर इशारा करते हुए तत्काल, व्यवस्थित फसल विविधीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। रॉय ने इन सब्सिडी के एक हिस्से को वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने की दिशा में पुनर्निर्देशित करने की वकालत करते हुए कहा, धान और गेहूं की खरीद में सालाना लगभग 80-90,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाता है।

पीएनबी मेटलाइफ ने बोनस घोषित किया

चंडीगढ़। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रु. 1041.45 करोड़ का रिकॉर्ड बोनस घोषित किया है। यह राशि पिछले वर्ष के रु. 930 करोड़ बोनस से 12 प्रतिशत अधिक है और इसमें भाग लेने वाले लगभग 5.68 लाख पात्र पॉलिसीधारकों को इसका फायदा मिलेगा। यह पड़ाव पीएनबी मेटलाइफ के अनुशासित वित्तीय प्रबंधन एवं दीर्घकालीन निवेश रणनीति को दशार्ता है, जिससे कंपनी के हिस्सा लेने वाले प्रोडक्ट्स पर ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा। समीर बंसल, एमडी एवं सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहा कि लंबी अवधि में लाभ प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखते हुए, हमें अपने अब तक की सबसे बड़ी बोनस राशि रु. 1041 करोड़ की घोषणा करते हुए खुशी है। इस उपलब्धि से हमारे अनुशासित निवेश दृष्टिकोण, ठोस जोखिम प्रबंधन और प्रभावी एसेट एलोकेशन का प्रदर्शन होता है। यह वार्षिक बोनस ग्राहकों द्वारा हमारी कंपनी पर जताए गए भरोसे के बदले आभार जताने का तरीका है, जिसके लिए हम उस लाभ को बांटते हैं जो हमने मिलकर अर्जित किया है। पीएनबी मेटलाइफ ने 22 वर्षों से लगातार प्रतिस्पर्धी बोनस घोषित करते हुए, वित्तीय सुरक्षा, निरंतर रिटर्न प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया है। इसके साथ ही कंपनी ने विश्वास और साझा सफलता के आधार पर ग्राहकों के साथ लंबे समय तक टिकने वाले संबंध भी स्थापित किए हैं।

आईकू ने लॉन्च किया आईकू जेड10 लाइट 5जी

चंडीगढ़। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज अपना लेटेस्ट ऑफरिंग आईकू जेड10 लाइट 5जी लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन खास तौर पर आज के यूथ को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर उन यूजर्स तक जो एक किफायती 5जी स्मार्टफोन में अपग्रेड करना चाहते हैं। यह डिवाइस बिंज-वॉचिंग, सोशल स्क्रॉलिंग और ऑनलाइन लेक्चर्स जैसे एक्टिविटीज के लिए फुली लोडेड एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। स्टाइलिश डिजाइन में फंक्शनल फीचर्स के साथ, जेड10 लाइट 5जी एक स्मार्ट और रिलायबल कंपैनियन बनता है। सेगमेंट की सबसे बड़ी 6000एमएएच बैटरी के साथ आने वाला यह डिवाइस नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के लिए तैयार है। यह मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर से पावर्ड है, जो स्मूथ 5जी कनेक्टिविटी और आईपी64 डस्ट वॉटर रेसिस्टेंस के साथ बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। यह स्मार्टफोन साइबर ग्रीन और टाइटेनियम ब्लू रंगों में उपलब्ध होगा और इसकी पहली सेल 25 जून से आईकू ई-स्टोर और ऐमेजॉन.इन पर लाइव होगी।

उप्र के बुलंदशहर में पुलिया से टकराकर कार में लगी आग, पांच लोग जिंदा जले

कार की रफ्तार तेज होने की वजह से ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा

स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची

एजेंसी (हि.स.)
बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में भीषण हादसा हुआ है। यहां एक कार पुलिया से टकराकर पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक किशोरी की हालत गंभीर है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार सवार लोग बदायूं में शादी समारोह से दिल्ली लौट रहे थे।

एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि एक शादी समारोह से कार सवार लोग बदायूं जिले के सहसवान से दिल्ली के मालवीय नगर लौट रहे थे। इसी दौरान थाना जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जानीपुर चंदौस के पास कार अचानक पुलिया से जा टकराई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और उसमें सवार छह लोगों में तनवीर अहमद का पुत्र तनवीज अहमद (24), पुत्री मोमिना (22), जुबेर अली (25), निदा (20) और जुबेर अली की पुत्री जैनुल (02) की जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसी किशोरी गुलनाज (17) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फोटोः हि.स.

एसपी ने बताया कि पुलिस ने पांच शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन माना जा रहा है कि कार की रफ्तार तेज होने की वजह से ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा, जिससे डिवाइडर से टक्कर के बाद यह घटना घटी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है

फोटोः हि.स.

नोएडा में दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में बुधवार सुबह तेज रफ्तार एक कैंटर की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सूरजपुर थानाक्षेत्र के निक्को मोड पर उस समय हुई जब बाइक सवार युवक यामहा कंपनी में काम करने के लिए घर से निकले थे। सूरजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान खुर्शीदपुरा थानाक्षेत्र के जारचा इलाके के रहने वाले धीरज (20) और कुलदीप (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बाइक पर सवार दोनों युवक जैसे ही निक्को मोड़ के पास पहुंचे तेज रफ्तार एक कैंटर ने उन्हें टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में धीरज की मौके पर मौत हो गई, जबकि कुलदीप को शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने चार केसीसी उग्रवादियों को पकड़ा

राज्य में शांति भंग करने और आम लोगों से वसूली में संलिप्त थे

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने आतंकवाद विरोधी अभियान के अंतर्गत केसीपी के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। चारों पर गंभीर आरोप हैं। सुरक्षाबलों के अनुसार, यह लोग राज्य में शांति भंग करने और आम लोगों से वसूली में संलिप्त थे।

पहली गिरफ्तारी इंफाल ईस्ट जिले के लैफेल थाना क्षेत्र के लाईरिक्येंगबम मखा लेकै में की गई। यहां से हाओबम सिटलजीत मैतेई (55) को गिरफ्तार किया। वह सैजांग अवांग लेकै, इंफाल ईस्ट का निवासी है। उससे एक नाइन एमएम पिस्टल (मैगजीन सहित लोडेड), पांच नाइन एमएम जीवित कारतूस, तीन मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

दूसरी गिरफ्तारी इंफाल वेस्ट जिले के चिंगमेइरोंग ममांग लेकै से की गई। यहां केसीपी (एमएफएल) की सक्रिय महिला सदस्य युमनाम जेनिका (22) को गिरफ्तार किया गया। वह मोइरंकम्पू अवांग लेकै, इंफाल ईस्ट की निवासी है। वह भी जबरन वसूली में शामिल थी। उसके पास से एक मोबाइल फोन और 2,500 रुपये नकद बरामद हुआ है।

फोटोः हि.स.

तीसरी बड़ी कार्रवाई बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग खा खुनौ इलाके में हुई है। यहां से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो कैडरों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान खोमद्रम जॉय सिंह उर्फ खगेंबा (51) - निवासी नामबोल लौरेंबम (फिलहाल निंगथौखोंग खा खुनौ में रह रहा था) तथा मैबम मेमचा देवी (49) - निवासी वांगू ममांग साबल के रूप में हुई है। दोनों के पास से एक पिस्तौल (.32 बोर) एक खाली मैगजीन सहित और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली से की मुलाकात

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू,

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात हुई है। यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली। प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर हुई मुलाकात के बारे में वैसे तो आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया गया है लेकिन माना जा रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा हुई है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रियता से नाराज ओली से उनकी मुलाकात को काफी अहम बताया जा रहा है। ओली की पार्टी इस समय नेतृत्व चयन को लेकर बहस कर रही है। ऐसे में नेतृत्व में रहे खुद ओली और उनको चुनौती दे रही भंडारी की इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह खबर दी गई है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति जैसे उच्च पदों पर आसीन व्यक्ति को वहां से रिटायर्ड होने के बाद फिर से सक्रिय राजनीति में आने से नकारात्मक संदेश जाने की बात कही है।

एक्सिओम मिशन-4 की लॉन्चिंग 22 जून को संभावित

नई दिल्ली। एक्सिओम मिशन-4 के प्रक्षेपण (लॉन्चिंग) की नई संभावित सामने आ गई है। संभावित लॉन्च तिथि 22 जून हो सकती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी देते हुए कुछ महत्वपूर्ण ब्योरा जारी किया है। इसरो ने लिखा है, ''इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन -4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद, एक्सिओम स्पेस ने कई तत्परता मापदंडों का आकलन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया।इसरो ने एक्स पर बताया कि स्पेसएक्स फाल्कन-9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति और संगरोध में चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है।'' एक्सिओम मिशन-4 की खास बात यह है कि नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पैगी व्हिटसन वाणिज्यिक मिशन की कमान संभालेंगी।

ओडिशा: पेड़ से लटका मिला लड़की का शव परिवार ने लगाया बलात्कार और हत्या का आरोप

एजेंसी (हि.स.)
क्योंझर/ओडिशा

ओडिशा के क्योंझर जिले में 17 वर्षीय एक लड़की का शव पेड़ से लटका मिला है और उसके परिवार ने सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की शौच के लिए घर से बाहर गई थी लेकिन वह लौटी नहीं और बाद में उसका शव मिला।

उसने बताया कि पुलिस ने सामूहिक बलात्कार और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना के कारण हरिचंदनपुर में तनाव फैल गया है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब हाल में गंजाम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर 20 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। पुलिस ने बताया कि क्योंझर जिले में

लड़की सोमवार रात को शौच के लिए घर से बाहर गई थी लेकिन बाद में वह लापता हो गई और उसका मोबाइल फोन भी बंद था। उसने बताया कि अगली सुबह उसका रक्तरंजित शव गांव के पास एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से पुरुष के खून से सने कपड़े और कुछ अन्य सामान भी बरामद किया गया जिससे लड़की के परिवार को संदेह हुआ कि उसके साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या की गई है। लड़की के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उसकी हत्या की गई और बाद में शव को फांसी पर लटका दिया गया ताकि यह आत्महत्या लगे। अधिकतर महिलाओं समेत ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 70(2) (सामूहिक बलात्कार) और 103(1) (हत्या) तथा पॉक्सो (लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। पंडापाड़ा पुलिस थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत प्रधान ने बताया कि मामले के संबंध में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। परिवार ने शुरू में शव लेने से इनकार कर दिया तथा ग्रामीणों के साथ मिलकर नादुरोडा-कालियाहाट रोड को बाधित कर दिया लेकिन पुलिस द्वारा दो लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद वे नरम पड़ गए तथा नाकाबंदी वापस ले ली। प्रधान ने कहा, हम घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। यह पोस्टमार्टम से पता चलेगा कि यह सामूहिक बलात्कार का मामला था या नहीं।

संक्षिप्त-समाचार

सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज में लगी आग पर आंशिक रूप से काबू पाया गया : डीजीएस

कोच्चि। नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) ने बुधवार को कहा कि सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज में लगी आग पर आंशिक रूप से काबू पा लिया गया है। पिछले सप्ताह केरल तट के पास इसमें आग लग गई थी। डीजीएस की रिपोर्ट में 17 जून तक की स्थिति के बारे में बताया गया है कि जहाज 'एमवी वान हाई 503' के अधिकांश हिस्सों में दिखाई देने वाली आग की लपटों और धुएं में उल्लेखनीय कमी आयी है। इस जहाज के एक कंटेनर में विस्फोट के बाद आग लग गयी थी। यह जहाज मुंबई से कोलंबो जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य सकारात्मक घटनाक्रम यह है कि जहाज की गति कम हो गयी है और अभी वह केरल तट से करीब 68.5 समुद्री मील दूर है। इसमें कहा गया है कि साथ ही जहाज के कुछ हिस्सों से लगातार निकल रहा धुआं, आंतरिक हिस्सों में आग लगने का इसका इतिहास और प्रतिकूल मौसम चिंता का विषय हैं। डीजीएस ने कहा, घटनास्थल पर मौसम प्रतिकूल बना हुआ है, 29-34 नॉट की गति से पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो 39 नॉट तक पहुंच सकती हैं, बीच-बीच में भारी वर्षा हो रही है और कई बार दृश्यता शून्य हो रही है, जिसके कारण अग्निशमन और जहाज पर चढ़ने के कार्यों में काफी बाधा आ रही है।

बिहार के लखीसराय में पंचायत के मुखिया और उसके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

लखीसराय/बिहार। बिहार के लखीसराय जिले में बुधवार तड़के एक पंचायत के मुखिया और उसके सहयोगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान वलीपुर पंचायत के मुखिया चंदन सिंह और उनके सहयोगी चंदन कुमार के रूप में की गई है। पिपरिया पुलिस थाना प्रभारी उज्ज्वल कुमार ने बताया कि यह घटना रात करीब डेढ़ बजे हुई, जब मुखिया और उनका सहयोगी वलीपुर गांव में एक समारोह से लौट रहे थे। उन्होंने कहा, हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चलाईं और भाग गए। पुलिस सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची। उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुमार ने कहा, ह्यह्यप्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि पुरानी रंजिश के कारण हत्या की गई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

1,120 रुपए लेकर मंगलसूत्र खरीदने पहुंचा बुजुर्ग दुकान मालिक ने 20 रुपए में दिया आभूषण

जालना/महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पारंपरिक सफेद 'धोती-कुर्ता' और टोपी पहने 93 वर्षीय एक ग्रामीण जब आभूषण की दुकान में दाखिल हुआ तो दुकान के कर्मचारियों को लगा कि वह आर्थिक मदद मांगने आया है। लेकिन जब बुजुर्ग व्यक्ति ने 1,120 रुपए देकर अपने साथ आई अपनी पत्नी के लिए मंगलसूत्र खरीदने की इच्छा व्यक्त की, तो दुकान मालिक ने उनके इस प्रेम भाव से अभिभूत होकर उन्हें मात्र 20 रुपये में यह आभूषण दे दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आया है, जिसे दो करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। सोशल मीडिया पर लोगों ने बुजुर्ग व्यक्ति के अपनी पत्नी के प्रति प्रेम की प्रशंसा की है।

जमीन पर कब्जा करने वाले कुख्यात गैंगस्टर रणदीप भाटी के दो गुर्गे गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की नोएडा इकाई ने जमीनों पर कब्जा करने वाले कुख्यात गैंगस्टर रणदीप भाटी गिरोह के दो बदमाशों को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ की नोएडा इकाई के पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सोनू और वीरेंद्र पोसवाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि भरत लाल चौबे नाम के व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को एक शिकायत पत्र लिखा था, जिस पर अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) द्वारा एसटीएफ को मामले की जांच सौंपी गई थी।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: डीएनए जांच से 190 मृतकों की पहचान हुई

159 शव परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह हुए एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए कम से कम 190 लोगों की डीएनए मिलान के जरिए अब तक पहचान कर ली गई है और 159 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति को छोड़कर विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई थी और जमीन पर मौजूद लगभग अन्य 29 लोग मारे गए थे। अधिकारी पीड़ितों की पहचान स्थापित करने के लिए डीएनए जांच कर रहे हैं क्योंकि कई शव इतने बुरी तरह से जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राकेश जोशी ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यबुधवार सुबह तक 190 डीएनए नमूनों का मिलान किया जा चुका है और 159 शवों को पहले ही संबंधित परिवारों को सौंप दिया गया है।

प्रफुल्ल पटेल ने 'सिंगापुर एयरलाइंस' की 'चुप्पी' पर सवाल उठाए

मुंबई। पूर्व नागर विमानन मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना पर 'सिंगापुर एयरलाइंस' की 'चुप्पी' को लेकर बुधवार को सवाल उठाया। 'सिंगापुर एयरलाइंस' टाटा समूह द्वारा संचालित एअर इंडिया में 25.1 प्रतिशत की हिस्सेदार है और इसके निदेशक मंडल में शामिल है। पटेल ने इस घटना पर 'सिंगापुर एयरलाइंस' की 'हैरान करने वाली चुप्पी' पर निराशा व्यक्त की। कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। इसके अलावा, विमान जिस जगह दुर्घटनाग्रस्त हुआ वहां मौजूद 29 लोगों की भी मौत हो गयी। पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'एअर इंडिया के विमान हादसे को लेकर दुख जताए जाने और हंगामा होने के बीच एक बड़े शेयरधारक और 'एयर इंडिया' के बड़ी संख्या में विमानों का रखरखाव करने वाली एयरलाइंस की भूमिका पर चुप्पी या अज्ञानता हैरानी करने वाली है।'

अरुणाचल में 3.5 तीव्रता का भूकंप

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किये गये हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई है। भूकंप के चलते फिलहाल कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अरुणाचल प्रदेश में आज 11 बजकर 51 मिनट 31 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जिले में जमीन में लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का उपरिकेंद्र (एपिक सेंटर) 27.09 उत्तरी अक्षांश तथा 92.06 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के चलते फिलहाल कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

नेपाल के लिए एशियाई विकास बैंक ने की आर्थिक पैकेज की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने नेपाल के लिए वर्ष 2025-2029 के लिए एक नई कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रेटजी (सीपीएस) शुरू की है, जिसमें 2.3 बिलियन डॉलर के रियायती आर्थिक सहयोग देने की बात कही गई है। नेपाल अल्प विकसित देशों की श्रेणी से विकासशील देशों की श्रेणी मे जाने वाला है। इसी अवस्था को देखते हुए नेपाल को एशियाई विकास बैंक की तरफ से नए तरीके से आर्थिक सहायता देने की रणनीति बनाई गई है।

एशियाई विकास बैंक की वार्षिक समीक्षा बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि एडीबी, नेपाल के अल्प विकसित देशों की श्रेणी से विकासशील देशों की श्रेणी में जाने का समर्थन करती है। बयान में नेपाल को तीन प्राथमिकताओं पर केंद्रित कर नए आर्थिक सहायता देने की बात कही गई है। हरित और रोजगार आधारित आर्थिक परिवर्तन, समावेशी मानव पूंजी और

फोटोः हि.स.

सार्वजनिक सेवाएं तथा जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान। एडीबी ने अपने बयान में कहा है कि नेपाल के लिए तय की गई 2.3 बिलियन डॉलर को देश की 16वीं पंचवर्षीय योजना और सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप निजी क्षेत्र के निवेश, कौशल विकास, बेहतर बुनियादी ढांचे और सामाजिक समावेशी के मद्देनजर दिया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल विकास, लैंगिक सशक्तिकरण और संघीय शासन को मजबूत करने के लिए भी एडीबी की तरफ से सहयोग किया जाएगा। एडीबी संयुक्त नीति संवादों और संभावित सह-वित्त सहायता के लिए विश्व बैंक के साथ साझेदारी करते हुए नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के निवेश और क्षेत्र कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सहायता प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा बनाने का आदेश

मराठी संगठनों और कांग्रेस ने किया विरोध

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का आदेश जारी किया है। मंगलवार को जारी संशोधित सरकारी आदेश में कहा गया है कि हिंदी अनिवार्य होने के बजाय 'सामान्य रूप से' तीसरी भाषा होगी, लेकिन यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 छात्र हिंदी के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उन्हें इससे बाहर रहने का विकल्प दिया गया है। एक ओर मराठी भाषा के पक्षधरों ने आरोप लगाया है कि सरकार शुरू में इस नीति से पीछे हटने के बाद 'गुपचुप तरीके' से इसे फिर से लागू कर रही है, तो वहीं कांग्रेस ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मराठी लोगों की छाती में छुरा घोंपने का आरोप लगाया।

छुरा घोंपने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत 'स्कूली शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यक्रम रूपरेखा 2024' के कार्यान्वयन के तहत यह आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के सभी छात्र अब अनिवार्य रूप से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन करेंगे। आलोचकों का दावा है कि सरकार का यह ताजा कदम स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे के पहले के बयानों के विपरीत है, जिनमें उन्होंने कहा था कि प्राथमिक कक्षाओं के लिए हिंदी अनिवार्य नहीं होगी। महाराष्ट्र की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि त्रिभाषा फामूर्ले पर ताजा सरकारी आदेश हिंदी थोपने की एक सुनियोजित साजिश है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मराठी लोगों की छाती में छुरा घोंपने का आरोप लगाया।

ईरान-इजराइल युद्ध | **बांग्लादेश दूतावास में काम करने वाले अधिकारियों के घरों को भी बनाया निशाना**

तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में, बमबारी में कुछ के घर ध्वस्त

अधिकारियों के सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

ईरान-इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में हैं। कुछ अधिकारियों के घर बमबारी में ध्वस्त हो गए हैं। इन अधिकारियों के सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया है। बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून ने एक वैश्विक समाचार संवाद समिति के हवाले से यह रिपोर्ट आज अपनी वेबसाइट पर एक फोटो के साथ प्रसारित की है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में सोमवार को हुए इजराइली हमले में बांग्लादेश दूतावास में काम करने वाले अधिकारियों के घरों को भी निशाना बनाया गया। कम से कम एक अधिकारी के घर को भारी नुकसान

फोटोः हि.स.

पहुंचा है। हालांकि, अधिकारी बच गया क्योंकि हमले के समय वह घर पर नहीं था। ईरान में बांग्लादेश दूतावास के प्रथम सचिव ओलीद इस्लाम ने कहा, ₹मेरा घर पूरी तरह से नष्ट हो गया। तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी मुख्य रूप से जॉर्डन नामक क्षेत्र में रहते हैं, जो तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 में है। ओलीद ने कहा, इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण इमारतें हैं, जिनमें ईरानी राज्य टेलीविजन भवन भी शामिल है, जिस पर इजरायल ने सोमवार को हमला करने की घोषणा की थी। हमले से पहले निवासियों को खाली करने के लिए कहा गया था। हालांकि जान-माल का नुकसान कुछ कम हुआ, लेकिन कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, ₹अब हमारे आसपास कुछ भी नहीं बचा है। राजनयिकों के कुछ ही घर बचे हैं, लेकिन आसपास कुछ भी नहीं है। सोमवार दोपहर को तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 पर हमले की घोषणा के बाद, ढाका ने बांग्लादेश मिशन में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी बांग्लादेशी नागरिकों को क्षेत्र छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद कर्मचारी तेहरान में बांग्लादेश दूतावास परिसर से चले गए।

खामेनेई पर ट्रंप की धमकी बेअसर

तेहरान(हि.स.)। ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष आज छठे दिन में प्रवेश कर गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का कोई असर नहीं पड़ा है। खामेनेई ने एक्स हैंडल पर कहा, ₹युद्ध शुरू हो गया है।₹ व्हाइट हाउस ने कहा कि कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोनिक बात की है। अमेरिका के द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और सीएनएन चैनल की खबरों में समूचे मध्य पूर्व में मंडरा रहे युद्ध के बादलों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन खबरों के अनुसार, ट्रंप ने ईरान से 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' का आह्वान कर सर्वोच्च नेता को धमकाया। राष्ट्रपति ने घोषणा की ''अब ईरान के आसमान पर हमारा पूरा और समग्र नियंत्रण है।'' ट्रंप की सोशल ट्रुथ पर यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब इस बात के मजबूत संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ इजराइल के बमबारी अभियान में शामिल होने पर विचार कर रहा है।

व्हाट्सएप-टेलीग्राम का उपयोग बंद करने की चेतावनी

तेहरान (हि.स.)। इजराइल की तरफ से की गई हालिया 'लक्षित हत्याओं' (टारगेटेड असैसिनेशन) के बाद ईरानी सरकार ने नागरिकों को व्हाट्सअप, टेलीग्राम और अन्य ₹लोकेशन-आधारित ऐप्स₹ के उपयोग से बचने की कड़ी चेतावनी जारी की है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी ने एक सुरक्षा रिपोर्ट के हवाले से दी।

ईरान का आरोप: इजराइल ने छेड़ा साइबर युद्ध

तेहरान, 18जून (हि.स.)। ईरान ने इजराइल पर व्यापक साइबर युद्ध छेड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। ईरान की साइबर सुरक्षा कमान के अनुसार, इजराइल ने देश के डिजिटल ढांचे पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले किए हैं, जिनका उद्देश्य आम नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं को बाधित करना है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के अनुसार, ह्यइजराइल की साइबर रणनीति का उद्देश्य हमारे साइबर नेटवर्क की परतों में घुसपैठ करना और इन ढांचों का उपयोग कर सैन्य एवं डिजिटल हमले करना है।

नेतन्याहू मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा : एर्दोगन

अंकारा/दोहा (हि.स.)। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ₹मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा₹ करार दिया है। यह तीखा बयान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया। इस बात की जानकारी तुर्की राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की। 'एक्स' पोस्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति एर्दोआगन ने ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद उपजे संघर्ष को लेकर गहन राजनयिक प्रयास शुरू कर दिए हैं और उन्होंने क्षेत्र में हिंसा के दुष्चक्र को समाप्त करने के लिए प्रयास जारी रखने का संकल्प जताया है।

एफआईएच महिला प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को मिली 1-4 की हार

दीपिका ने दागा एकमात्र गोल, अगस्टिना गोरजेलानी ने लगाई हैट्रिक

पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरूआत उत्साहजनक रही

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले में दीपिका (30') ने भारत के लिए एकमात्र गोल दागा, लेकिन अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगस्टिना गोरजेलानी ने हैट्रिक (42', 54', 55') लगाकर मुकाबले को भारत की पहुंच से बाहर कर दिया।पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरूआत उत्साहजनक रही। सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल के करीब मौके बनाए।

फोटोः हि.स.

फोटोः हि.स.

भारतीय टीम ने तेज-तर्रार खेल दिखाते हुए अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चौंकाने की कोशिश की, जबकि अर्जेंटीना ने शांतचित्त, संगठित और ऊंचा प्रेसिंग गेम अपनाया। दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी। भारत की नवनीत कौर ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया, जबकि सलीमा की तेज दौड़ और पास के बाद बलजीत कौर गोल से चूक गईं। 29वें मिनट में अर्जेंटीना की विक्टोरिया फालास्को ने गोल कर बढ़त दिलाई। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया। 30वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे दीपिका ने दमदार ड्रैग-फ्लिक से गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले में मौके बनाए, लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर पाए। इस बीच अर्जेंटीना को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोरजेलानी ने 42वें मिनट में गोल में बदला। 47वें मिनट में सलीमा फिर एक मौके पर करीब पहुंचीं लेकिन गोलकीपर ने रोक दिया। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः गोरजेलानी ने दो और गोल (54' पेनल्टी स्ट्रोक, 55' पेनल्टी कॉर्नर) कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जर्मनी रवाना, 4 देशों के टूनार्मेंट में लेगी हिस्सा

पहला मुकाबला 21 जून को मेजबान जर्मनी से होगा

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु,

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आज सुबह जर्मनी के बर्लिन के लिए रवाना हो गई, जहां वह 21 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 4 देशों के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूनार्मेंट में भाग लेगी।

टीम की कमान कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल के हाथों में है, जो टूनार्मेंट के पहले पूल मैच में 21 जून को मेजबान जर्मनी के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इसके बाद भारतीय टीम का सामना 22 जून को ऑस्ट्रेलिया और 24 जून को स्पेन से होगा। पूल चरण के बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि निचली दो टीमें तीसरे स्थान के लिए 25 जून को मुकाबला करेंगी। सभी मैच टीसी 1899 ब्लाउ वीस, बर्लिन में खेले जाएंगे।

कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने टूनार्मेंट को लेकर कहा, ₹यह टूनार्मेंट हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि

फोटोः हि.स.

एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप 2025 अब ज्यादा दूर नहीं है। यह हमारे लिए अपनी रणनीतियों को परखने, नए संयोजन आजमाने और कमजोरियों को पहचानने का बेहतरीन मौका होगा। यहां हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिलेगा।₹

उपकप्तान आमिर अली ने भी टूनार्मेंट को अहम बताते हुए कहा, ₹हमारी कोशिश है कि वर्ल्ड कप से पहले हर छोटी-बड़ी कमी को दूर किया जाए। यह टूनार्मेंट सिर्फ टीम के लिए ही नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आंकने और सुधारने का मौका है।₹

गौरतलब है कि एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। ऐसे में भारतीय जूनियर टीम के लिए यह टूनार्मेंट वर्ल्ड कप की तैयारियों का एक अहम पड़ाव साबित होगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में हर्षित राणा बतौर बैकअप शामिल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में बैकअप खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। वह मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार देर रात उक्त जानकारी दी। 23 वर्षीय राणा ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए घोषित 18 सदस्यीय मूल टीम में उनका नाम नहीं था। हालांकि, वह इंडिया ए टीम का हिस्सा थे और कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में खेले थे। हर्षित राणा अब तक दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल चुके हैं। टीम के अन्य सदस्यों के साथ वह लंदन से ट्रेन के जरिए लीड्स पहुंचे, जहां उन्हें टीम के साथ देखा गया।वहीं केएल राहुल, करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, शार्दुल ठाकुर, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी पहले से ही इंडिया ए टीम के साथ यूके में मौजूद थे।

फोटोः हि.स.

टीम इस प्रकार हैः शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा (बैकअप)।

रग्बी अफ्रीका मेन्स 72 टूनार्मेंट के लिए युगांडा की टीम घोषित

एजेंसी (हि.स.)
कम्पाला

युगांडा ने मंगलवार को मॉरिशस में 21 से 22 जून तक होने वाले रग्बी अफ्रीका मेन्स 72 टूनार्मेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एलेक्स अतुरिंडा को सौंपी गई है। मुख्य कोच टोल्बर्ट ओन्यांगो ने 12 सदस्यीय टीम का ऐलान करते हुए कहा, ₹हम बेहद उत्साहित हैं क्योंकि टीम ने अच्छी तैयारी की है। हमें अपना खिताब बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

यह टूनार्मेंट मापो के लाबोदोर्ने स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। खिताबी मुकाबले के अलावा, टीमें वर्ल्ड रग्बी 72 सीरीज के नवप्रस्तावित डिवीजन 3 में जगह बनाने के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। युगांडा की रग्बी क्रेन्स टीम को ग्रुप ए में कोट डी आइवोर, घाना और चिर प्रतिद्वंद्वी केन्या के साथ रखा गया है। कोच ओन्यांगो ने कहा, ₹हम अपने ग्रुप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि हर टीम मौजूदा चैंपियन को हराने की कोशिश करेगी। लेकिन हम हर मैच के लिए खास रणनीति के साथ तैयार हैं।

फोटोः हि.स.

अन्य भाग लेने वाली टीमें हैंः दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो, जाम्बिया, नाइजीरिया, मेडागास्कर, जिम्बाब्वे, ट्यूनीशिया और मेजबान मॉरिशस।

युगांडा टीमः एलेक्स अतुरिंडा (कप्तान), एलन ओलैंगो, मुबारक वांडेरा, मार्क ओसुना, अर्नोल्ड ओसेन, रॉय किज़िटो, करीम अरिनाइत्वे, मैल्कम ओकेलो, आरोन टुकेई, डेनिस एत्वाउ, जोन्स कामिजा और नोबर्ट ओकेनी।

ब्री इलिंग और बेला जेम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का केंद्रीय अनुबंध मिला

वेलिंगटन (हि.स.)। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और बल्लेबाज बेला जेम्स को पहली बार न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बुधवार, 18 जून को 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, जिसमें इन दोनों युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है। यह स्थान हेली जेनसेन के संन्यास और कप्तान सोफी डिवाइन के कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर जाने के बाद खाली हुआ था। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक अपनी टीम की प्रमुख विकेट टेकर बन चुकी हैं। 21 वर्षीय इलिंग ने इस सत्र में सभी प्रारूपों में कुल 29 विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इसी साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जहां उन्होंने छह मैचों में छह विकेट झटके। वहीं, बेला जेम्स ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने मार्च में एक और मुकाबला इसी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, जेम्स ने महज 16 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

नेपाल ने स्कॉटलैंड को दो विकेट से हराया

एजेंसी (हि.स.)
ग्लास्गो

तीन सुपर ओवर वाले ऐतिहासिक मुकाबले में नीदरलैंड्स से हार का सामना करने के बाद नेपाल ने जोरदार वापसी की और मंगलवार को स्कॉटलैंड को एक लो-स्कोरिंग थ्रिलर में दो विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ नेपाल ने त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी पहली जीत दर्ज की और स्कॉटलैंड को पहला झटका दिया।

स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में सिर्फ 97 रन बनाए, जो उनके घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। नेपाल की ओर से स्पिनर संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने स्कॉटलैंड की पारी के अंतिम पांच में से चार विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज करण केसी (2/20) और दीपेंद्र सिंह ऐरी (1/12) ने भी अहम योगदान दिया। स्कॉटलैंड की ओर से सिर्फ माइकल लिस्क (46 रन, 46 गेंद) और कप्तान

फोटोः हि.स.

मैथ्यू क्रॉस ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।जवाब में नेपाल की शुरूआत भी खराब रही। 24 रन पर दो विकेट गिरने के बाद कप्तान रोहित पौडेल भी 7 रन बनाकर चलते बने और स्कोर 38/3 हो गया। हालांकि, कुशल भुर्तेल (30 रन, 35 गेंद) ने पारी को कुछ समय तक संभाला। मध्यक्रम में एक के बाद एक विकेट गिरते रहे और जब रूपेश सिंह 4 रन बनाकर आउट हुए, तब नेपाल को 12 गेंदों में 10 रन की जरूरत थी। अंत में जीत के लिए 6 गेंदों में 4 रन चाहिए थे और तीन विकेट बाकी थे। किरण थगुन्ना ने तीन सिंगल लेकर स्कोर बराबर किया लेकिन वह 10 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर संदीप लामिछाने ने विजयी रन लेकर मुकाबला समाप्त किया।

मानसून में बढ़ता इन्फेक्शन का रिस्क

बारिश का मौसम अपने साथ ठंडक और ताजगी लाता है। लेकिन इसके साथ कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। दरअसल इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने से फंगस और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। साथ ही दूषित पानी और खराब खानपान के कारण डायरिया, पेचिश, डेंगू, मलेरिया, कंजंक्टिवाइटिस, टाइफाइड, वायरल फीवर और निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग इन इन्फेक्शंस की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। ऐसे में खुद को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बरसात के मौसम में खानपान और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करना बेहद जरूरी है।

मानसून के दौरान वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिक रेट थोड़ा स्लो हो जाता है। इससे भोजन पचने में ज्यादा समय लगता है। इसके कारण गैस, अपच, पेट दर्द, दस्त या एसिडिटी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। साथ ही इस मौसम में दूषित पानी और संक्रमित भोजन से फूड पॉइजनिंग और पेट के इन्फेक्शन का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इसलिए हल्का, सुपाच्य और ताजा भोजन लेना ही बेहतर होता है। बरसात के समय वायरल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है। इस मौसम में डाइट न केवल हल्की और आसानी से पचने वाली होनी चाहिए, बल्कि उसमें इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने वाले फूड्स भी जरूर शामिल होने चाहिए। बारिश में कौन-से फूड्स शरीर को हेल्दी रखने और इन्फेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं।

मानसून में बीमारी से ऐसे करे बचाव

पालक, हरी धनिया, चौलाई और पत्तागोभी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां अक्सर बारिश के पानी से संक्रमित हो जाती हैं। इसलिए इस मौसम में इनका सेवन करने से बचना चाहिए। लंबे समय तक काटकर रखे गए फल और सलाद भी जल्दी संक्रमित हो सकते हैं, जिन्हें खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में कोल्ड ड्रिंक्स और आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजें गले में इन्फेक्शन का कारण बन सकती हैं। साथ ही इस मौसम में तला-भुना और अधिक मसालेदार खाना पचने में भारी होता है। इससे गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा मानसून मछलियों के प्रजनन का समय होता है। इसे खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस दौरान फास्ट फूड, जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से भी दूरी बनाए रखना जरूरी है। ये न सिर्फ इम्यून सिस्टम को कमजोर करते हैं, बल्कि शरीर को इन्फेक्शन के प्रति वलनरेबल बना देते हैं। मानसून के दौरान पाचन क्षमता कमजोर हो जाती है, इसलिए खाने की मात्रा और समय को लेकर सतर्कता बरतना जरूरी है। इस मौसम में पेट भरने की बजाय थोड़ा कम खाना बेहतर रहता है ताकि डाइजेस्टिव सिस्टम पर एक्स्ट्रा प्रेशर न पड़े। दिन में तीन भारी मील्स की जगह 4-5 बार हल्का और संतुलित डाइट लें। इसके अलावा रात का खाना हल्का हो और इसे सोने से कम-से-कम 2-3 घंटे पहले खा लेना चाहिए। साथ ही शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। बड़ों की तुलना में इनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। इसलिए इन्हें खिचड़ी, मूंग दाल, हल्दी दूध, दलिया और ताजा बना घर का खाना देना फायदेमंद है। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए डाइट में तुलसी, अदरक, आंवला, मौसमी फल और शहद जैसी चीजें शामिल करें। इन्हें दिनभर में थोड़ा-थोड़ा और कई बार में खिलाएं ताकि पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव न पड़े। इस मौसम में वातावरण में नमी के कारण खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो सकती हैं। ऐसे में किचन में साफ-सफाई और खाने की सुरक्षा बेहद जरूरी है। इसके लिए खाना बनाने से पहले और बाद में हाथ धोएं। फल-सब्जियों को गुनगुने पानी से अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। किचन का स्लैब, चॉपिंग बोर्ड और बर्तनों को रोजाना साफ करें। नमी से बचने के लिए मसाले और दालें एयरटाइट कंटेनर में रखें। इसके साथ ही कुछ और बातों का भी ध्यान रखें। इसे नीचे दिए ग्राफिक से समझिए- मानसून में वजन बढ़ने की समस्या क्यों होती है ? मानसून में फिजिकल एक्टिविटी कम हो जाती हैं क्योंकि लोग बारिश के कारण बाहर टहलना या एक्सरसाइज करना छोड़ देते हैं। साथ ही इस मौसम में तली-भुनी चीजों और गरम स्नैक्स जैसे पकौड़े, समोसे, चाय-बिस्किट की क्रेविंग बढ़ जाती है। इससे अतिरिक्त कैलोरी शरीर में जमा होने लगती है। नमी और सुस्ती के कारण पाचन भी धीमा हो जाता है, जिससे फैट जल्दी बर्न नहीं होता है। इन सभी कारणों से मानसून में वजन बढ़ने की समस्या आम हो जाती है।

रैशेज हो सकते हैं स्किन कैंसर का संकेत

स्किन कैंसर दुनिया के सबसे कॉमन कैंसर में से एक है। इसके बावजूद बहुत से लोग इसके शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। सिर्फ अमेरिका में ही हर साल लगभग 54 लाख लोगों को स्किन कैंसर डाइग्नोज होता है। मस्सा या रैशेज जैसे कई ऐसे संकेत हो सकते हैं, जो इस बीमारी की ओर इशारा करते हैं। अगर समय रहते ये संकेत पहचान लिए जाएं तो इलाज ज्यादा असरदार हो सकता है और पेशेंट पूरी तरह ठीक हो सकता है।

अल्ट्रावायलेट किरणों से स्किन की कोशिकाओं के बढ़ने के तरीके में बदलाव हो सकते हैं। इससे स्किन कैंसर हो सकता है। इसके शुरूआती लक्षणों में त्वचा पर नया उभार या दाग दिखाई दे सकता है। अगर पहले से मौजूद तिल, मस्से या निशान के आकार, रंग या बनावट में बदलाव हो रहा है तो भी सावधानी बरतने की जरूरत है। स्किन कैंसर में त्वचा की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं। आमतौर पर कोशिकाएं पुरानी होने पर मर जाती हैं और उनकी जगह नई कोशिकाएं बनती हैं। अगर यह प्रक्रिया गड़बड़ा जाती है तो कोशिकाएं जरूरत से ज्यादा और गलत तरीके से बढ़ने लगती हैं। कुछ कोशिकाएं नॉन-कैंसरस होती हैं, जो शरीर में नहीं फैलती और ज्यादा नुकसान नहीं करती हैं। वहीं कैंसर वाली कोशिकाएं तेजी से फैलती हैं और शरीर के दूसरे हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

स्किन कैंसर दिखता कैसा है?

स्किन कैंसर कैसा दिखेगा, ये उसके प्रकार पर निर्भर करता है। हर तरह का स्किन कैंसर अलग दिख सकता है, लेकिन कुछ सामान्य संकेत हैं जिन्हें आप पहचान सकते हैं। इन्हें याद रखने के लिए एक आसान तरीका है- **एसिमिट्रीः** तिल या दाग का आकार एक जैसा नहीं होता। उसका एक हिस्सा दूसरे से अलग दिखता है। **बॉर्डरः** उसके किनारे साफ और गोल नहीं होते, बल्कि कटे-फटे या धुंधले होते हैं। **कलरः** तिल या दाग में एक से ज्यादा रंग दिखते हैं, जैसे काला, भूरा, गुलाबी या लाल। **डायमीटरः** अगर तिल या दाग 6 मिलीमीटर से बड़ा है तो सतर्क हो जाएं। **इवोल्यूशनः** तिल या दाग का आकार, रंग, मोटाई या लक्षण जैसे खुजली, खून, दर्द समय के साथ बदल रहे हैं। यह सबसे जरूरी संकेत होता है।

स्किन कैंसर का खतरा इन लोगों को ज्यादा

■ जो लोग ज्यादा समय धूप में बिताते हैं, चाहे काम के कारण हो या खेलने के लिए। ■ जिन्हें जल्दी सनबर्न हो जाता है या जिन्हें पहले कई बार सनबर्न हो चुका है। ■ जो पहाड़ों पर या एकदम सीधी धूप पड़ने वाले इलाके में रहते हैं। ■ जो टैनिंग या टैनिंग बेड का इस्तेमाल करते हैं। ■ जिनकी त्वचा गोरी है, बाल सुनहरे या लाल हैं। आंखें हल्के रंग की हैं या जिनके चेहरे पर झाइयां हैं। ■ जिनके शरीर पर बहुत सारे तिल हों, या जिनके मस्से का आकार, रंग अजीब है। ■ जिन्हें एक्टिनिक केराटोसिस नाम की स्किन कंडीशन है, जिसमें त्वचा पर खुरदरे, गहरे गुलाबी या भूरे रंग के पैच होते हैं। ■ जिनके परिवार में पहले किसी को स्किन कैंसर हो चुका है। ■ जिनका कभी ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुआ है। ■ जो ऐसी दवाएं ले रहे हैं, जिनसे इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। ■ जो स्किन डिजीज जैसे एक्जिमा या सोरायसिस के लिए वश लाइट थेरेपी ले चुके हैं।

स्किन कैंसर के लक्षण

स्किन कैंसर का सबसे कॉमन संकेत त्वचा पर कोई नया बदलाव हो सकता है, जैसे नई गांठ बनना या पहले से मौजूद तिल, मस्से या दाग में बदलाव होना। इसके अलावा कुछ खास लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी हैः

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

हम स्किन की बहुत से ऐसे लक्षणों को सामान्य मानकर इग्नोर कर देते हैं, जो बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। डॉ. आदित्य सरीन कहते हैं कि ये ठीक भी है। अगर किसी को खुजली हो रही है तो वह स्किन कैंसर के बारे में तो नहीं ही सोचेगा और सोचना भी नहीं चाहिए। बात उससे आगे की है। इसमें कुछ बारीकियां समझने की भी जरूरत है।

लगातार खुजली या जलन

अगर त्वचा पर बार-बार खुजली या हल्की जलन हो रही है, खासकर उन हिस्सों में जहां आमतौर पर ऐसा नहीं होता है तो यह स्किन कैंसर का संकेत हो सकता है। बेसल सेल कार्सिनोमा (इउउ), जो कॉमन स्किन कैंसर है। अक्सर एक चमकदार, मोती जैसे दाने या न भरने वाले निशान जैसा होता है।

नाखूनों में बदलाव

अगर नाखून के नीचे काले या भूरे रंग की धारियां दिखाई दे रही हैं तो इसे हल्के में न लें। यह सबएंगुअल मेलानोमा यानी रेयर, लेकिन गंभीर स्किन कैंसर हो सकता है। यह अक्सर उंगली या पैर के नाखून में एक पट्टी जैसी लाइन के रूप में दिखता है और नाखून को जड़ से अलग कर सकता है।

स्किन का रंग बदलना

अगर स्किन पर अचानक लाल, बैंगनी या भूरे रंग के पैच दिखने लगे हैं तो यह नॉर्मल रैश नहीं, बल्कि कैंसर का लक्षण हो सकता है। रेयर स्किन कैंसर कपोसी सारकोमा ऐसा ही दिखता है और यह कमजोर इम्यून सिस्टम के कारण होता है।

सूखे, खुरदरे या पपड़ीनुमा पैच

अगर त्वचा पर बार-बार सूखे या पपड़ीनुमा हिस्से बनते हैं और क्रीम या मॉस्चराइजर से भी ठीक नहीं होते तो यह एक्टिनिक कैरेटोसिस नाम की प्री-कैंसर कंडीशन हो सकती है। यह आगे चलकर स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में बदल सकती है।

पुराने मस्से में बदलाव

अगर किसी पुराने मस्से का आकार बिगड़ने लगे, किनारे असमान हो जाएं, रंग बदल जाए, आकार 6 मिलीमीटर से बड़ा हो जाए या उसमें खुजली, खून या पपड़ी बनने लगे तो यह मेलानोमा का संकेत हो सकता है। ऐसे मस्सो की नियमित जांच बहुत जरूरी है।

घाव या अल्सर न भरना

अगर स्किन पर कोई घाव या अल्सर कई हफ्तों से ठीक नहीं हो रहा या ठीक होकर बार-बार फिर से खुल रहा है तो यह खतरे की घंटी हो सकती है। बेसल सेल कार्सिनोमा और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ऐसा अक्सर होता है।

नई गांठ या उभार

अगर 30 साल की उम्र के बाद स्किन पर कोई नई गांठ, उभार या मस्सा बनने लगे, खासकर जो लाल, गुलाबी या भूरे रंग की हो तो यह स्किन कैंसर का संकेत हो सकता है। ये गांठें कभी-कभी पुराने घाव या मस्से जैसी लग सकती हैं।

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने सचिवालय और डीसी कार्यालय का औचक दौरा किया

अधिकारियों को कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन शिकायतों का समाधान करने का निर्देश

- प्रणाली का पालन करने में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी: कटारिया

संवाददाता
चंडीगढ़

नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को निर्धारित जन शिकायत समय के दौरान यूटी सचिवालय और डिप्टी कमिश्नर कार्यालय का औचक दौरा किया।

यह दौरा प्रशासक के पहले के निर्देश के अनुसार, हर बुधवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मनाए जाने वाले साप्ताहिक जन संपर्क विंडो के दौरान हुआ। इस पहल के तहत सभी अधिकारियों को इस समय के दौरान अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन शिकायतों का समाधान करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन घंटों के दौरान आंतरिक बैठकें करने से बचें, जब तक कि असाधारण परिस्थितियाँ न हों, ताकि जनता के साथ पूरा ध्यान केंद्रित किया जा सके। कटारिया ने सचिवालय और डीसी कार्यालय के भीतर कई विभागों का दौरा किया, और अधिकारियों और जनता दोनों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों की उपलब्धता, प्राप्त होने वाली शिकायतों की प्रकृति और निवारण की तत्परता के बारे में जानकारी ली। उपस्थित नागरिकों को प्रशासक के साथ सीधे अपनी प्रतिक्रिया साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिनमें से कई ने उच्चतम स्तर पर सुनवाई के अवसर की सराहना की।

यात्रा के दौरान, प्रशासक ने नागरिकों के साथ व्यवहार में पारदर्शिता, पहुंच और सहानुभूति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। कटारिया ने अधिकांश विभागों में अधिकारियों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि इस प्रणाली का पालन करने में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पहल की भावना को बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी की जाएगी। यह सक्रिय कदम नागरिकों और शासन के बीच पुल को मजबूत करने, सार्वजनिक सेवाओं की समय पर और प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए चंडीगढ़ प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

उपायुक्त ने आदर्श कॉलोनी, सेक्टर 53-54, चंडीगढ़ में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर 53-54 स्थित आदर्श कॉलोनी में 19 जून 2025 को होने वाले तोड़फोड़ अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को निशांत कुमार यादव, आईएएस, उपायुक्त, चंडीगढ़ की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य वर्तमान में अनधिकृत कब्जे में पड़ी लगभग 12 एकड़ सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त करना है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), यूटी चंडीगढ़, नगर निगम चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग और स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित किए बिना तोड़फोड़ अभियान के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वित, वैध और कुशल दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया। एसएसपी, यूटी चंडीगढ़ ने कानून और व्यवस्था प्रबंधन के लिए पूर्ण पुलिस तैनाती का आश्वासन दिया, साथ ही साइट पर पर्याप्त बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था की। बताया गया कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 1000 पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे।

इंजीनियरिंग विभाग ने पहले ही जेसीबी, डंपर और अन्य विध्वंस उपकरण सहित आवश्यक मशीनरी और जनशक्ति जुटा ली है। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान, यदि आवश्यक हो, तो आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के साथ छह एम्बुलेंस साइट पर तैनात की जाएंगी। इसके अलावा, साइट पर स्वच्छता प्रबंधन और गतिविधि के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आकस्मिकता को दूर करने के लिए टीमें तैनात की जाएंगी। सभी विभागों को निर्बाध अंतर-विभागीय समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा कि आवश्यक सेवाएं अप्रभावित रहें और पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए।

डिप्टी कमिश्नर ने कानून के शासन को बनाए रखने, पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। यह ध्वस्तीकरण अभियान चंडीगढ़ प्रशासन की अतिक्रमण हटाने, नियोजित शहरी विकास को लागू करने और मूल्यवान सार्वजनिक भूमि को पुनः प्राप्त करने की बड़ी पहल का हिस्सा है। बरामद की गई 12 एकड़ भूमि का उपयोग चंडीगढ़ मास्टर प्लान के अनुरूप सार्वजनिक उपयोगिता बुनियादी ढांचे के लिए करने का प्रस्ताव है।

रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक, चंडीगढ़ द्वारा विश्व रक्तदान दिवस 2025 पर शिविर का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व रक्तदान दिवस 2025 के उपलक्ष्य में रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना), चंडीगढ़ के कार्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य के लिए पीजीआई चंडीगढ़ के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम को आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में भाग लेने वाले कर्मियों की पूर्व जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई, जिसके उपरांत योग्य दाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा। यह आयोजन न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रकट करता है, बल्कि इससे भविष्य में और अधिक लोगों को रक्तदान हेतु प्रेरणा मिलेगी।

गांवों में अवैध तौर पर बने होटल एवं कमर्शियल प्रॉपर्टी होगी सील

बिना सीएलयू निर्माण करने वालों पर नगर निगम करेगा कार्रवाई

- गांव कोट बिल्ला रोड पर बने 45 फार्म हाउस पर एक सप्ताह में बुलडोजर चलाने की तैयारी

संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम की रेवन्यू रिलाइजेशन कमेटी की बैठक बुधवार को महापौर कुलभूषण गोयल एवं कमेटी के चेयरमैन सुरेश वर्मा की अध्यक्षता में हुआ। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में बने गांवों में जिन लोगों द्वारा अवैध तौर पर होटल एवं कमर्शियल प्रॉपर्टी बिना परमिशन खड़ी कर दी गई है, उनको तुरंत प्रभाव से सील कर दिया जाए। बिल्डिंग इंस्पेक्टर के साथ दो अस्सिटेंट प्रोग्राम आफिसर (एपीओ) जांच के लिए लगाए गए हैं, जोकि गांवों में जाकर जांच करेंगे। एक सप्ताह में पूरी रिपोर्ट तैयार होगी। जिनके नक्शे और सीएलयू नहीं हैं, उनकी एपीओ करेंगे। अवैध तौर पर बनी बिल्डिंग से सीएलयू चार्ज जमा करवाए जाएंगे। जब तक यह फीस जमा नहीं करवा देते, तब तक इन्हें सील रखा जाएगा। गांव कोट बिल्ला रोड पर जो 45 फार्म हाउस बने हैं, उन पर भी एक सप्ताह के अंदर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर ली गई है। इन्हें नोटिस देकर गिरा दिया जाएगा। कुलभूषण गोयल ने बताया कि इन फार्म हाउस में रात के समय में काफी अवैध तौर पर पार्टियां हो रही हैं, जिनकी शिकायतें आ रही हैं। अवैध तौर पर काम बर्दाश्त नहीं होगा।

कुलभूषण गोयल ने बताया कि नगर निगम में अब तक प्रॉपर्टी टैक्स में इस वर्ष 3 करोड़ 44 लाख रुपए ही एकत्रित हो पाए हैं, जोकि हमारे अनुमान के मुताबिक कम हैं। शहर में एक लाख रुपये से अधिक वाले 1600 संपत्ति मालिकों से प्रापर्टी टैक्स लेना। 200 प्रॉपर्टी मालिकों से 5 लाख रुपये से अधिक प्रापर्टी टैक्स लेना है। निर्देश दिए गए हैं कि जो संपत्ति मालिकों से 5 लाख रुपये से अधिक की राशि लेनी है, उनको तुरंत नोटिस देकर सील किया जाए। सबसे ज्यादा प्रापर्टी टैक्स शालीमार स्टेट प्राइवेट

लिमिटेड से 2 करोड़ 92 लाख पिछले 3 साल का लेना है। नार्थ पार्क विजय दहिया से एक करोड़ 80 लाख रुपये लेने हैं। शालीमार माल को तुरंत प्रभाव से नोटिस देकर राशि वसूलने या सील करने के निर्देश दिए हैं। एचसीएफ साफ्टवेयर सेक्टर 22 से 22 लाख रुपये, पैरामाउंट सॉफ्टवेयर का 44 लाख रुपये लेने हैं। इसके अतिरिक्त कई सरकारी कार्यालय हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पर्यटन विभाग, पीडब्ल्यूडी, कृषि विभाग, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम से लाखों रुपए प्रापर्टी टैक्स लेना है। इन्हें तुरंत प्रभाव से नोटिस दिए जाएंगे। इस वर्ष 25 करोड़ रुपये प्रापर्टी टैक्स एकत्रित करने का लक्ष्य रखा है।

मोबाइल टावर कंपनियों के शहर में 341 मोबाइल टावर लगे हुए हैं। 137 मोबाइल टावरों की पेमेंट लेनी है। 42 इंडेक्स कंपनी, 33 एटीसी, 36 जिओ, 36 बीएसएनएल और एयरटेल के हैं। इन सभी 137 मोबाइल टावरों लगभग 3 करोड़ 62 लाख रिकवर करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि वह राशि जमा नहीं करवाते, तो उन्हें सील कर दिया जाएगा।

महापौर ने निर्देश दिए कि टेलीफोन लाइंस कंपनी के 15 करोड़ रुपए के टारगेट को पूरा किया जाए। जो लाइनें डाल रहे हैं, उनसे राशि रिकवर की जाए। नई पॉलिसी के अनुसार कंपनियों को काफी राहत मिल गई है, जिसमें उन्हें काफी राशि कम जमा करवानी पड़ती है। जिन 8 कंपनियों ने ओवरहेड लाइन बिछा रखी है, उन्हें अंडरग्राउंड तारें बिछाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें फास्टवे, फॉक्स सेल, रेलटेल, कनेक्ट ब्रॉडबैंड, बेस कनेक्ट, स्पीडो फाइबर की तारें हैं।

मनप्रीत सिंह हत्याकांड में तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता
मोरिंडा

मोरिंडा पुलिस ने 16-17 जून की रात को ऊंची घाटी में मोरिंडा निवासी मनप्रीत सिंह पुत्र शमशेर सिंह (24) की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की तथा पुलिस अनुसार अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए डीएसपी मोरिंडा जेपी सिंह तथा एसएचओ सिटी मोरिंडा इंस्पेक्टर हरजिंदर सिंह ने बताया कि 16-17 जून की रात को ऊंची घाटी निवासी मनप्रीत सिंह (24) पुत्र शमशेर सिंह की आधा दर्जन से अधिक युवकों ने हत्या कर दी थी। जिसके बाद मोरिंडा पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। जिसमें से तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि 16-17 जून की रात को जब कुछ युवक मनप्रीत सिंह के घर के बाहर कुत्ते को पीट रहे थे तो मनप्रीत सिंह अपने घर से बाहर आया और युवकों को पीटने से रोकने लगा। तभी गुस्साए उन युवकों ने मनप्रीत सिंह के साथ मारपीट की और घर से थोड़ा आगे जाकर उनमें से किसी ने मनप्रीत सिंह पर किरच आदि से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मनप्रीत सिंह के बड़े भाई हरप्रीत सिंह पुत्र शमशेर सिंह निवासी ऊंची घाटी मोरिंडा के बयानों के आधार पर मोरिंडा पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ धारा 103,115(2), दो 351(3) 191(3), 190 बीएनएस के तहत मामला नंबर 75 दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

मॉनसून नजदीक...आने से पहले बंद नाले की करी जाए सफाई

संवाददाता
कालका

मौसम विभाग के अनुसार 22-23 जून से क्षेत्र में मॉनसून दस्तक दे सकता है, ऐसी संभावना जताई जा रही है। इस भविष्यवाणी को लेकर बसंत विहार स्थित शर्मा कालोनी वासियों को चिंता सता रही है, क्योंकि वर्ष 2022 की मूसलाधार बारिश से कालोनी की मेन सड़क की टाइलें उखड़ चुकी थी, जिनकी आजतक मरम्मत नहीं की गई है। जिस कारण कालोनीवासियों में नगर परिषद के प्रति भारी रोष है, इसी को लेकर लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। मेन गली का बुरा हाल है, श्मशानघाट के नजदीक बने नाले का चेम्बर टूट चुका है।

नाले से बहकर आये गंदे कपड़े, कूड़ा-करकट व पौधे-झाड़ियां से चेम्बर भरा पड़ा है, जिसकी सफाई बरसात से पहले की जानी अति आवश्यक है। कालोनीवासी पवन कुमार, राजेश, मोहित, राजीव कुमार, पूनम, रेखा, प्रीति, सुमन, सुभाष, यादविंदर, संजय, पुरुषोत्तम कुमार, इंदु, सोना रस्तोगी, सुरिंदर आदि ने बताया की वर्ष 2022 के दौरान हुई मूसलाधार बारिश ने मेन गली को तहस महस कर दिया, लोगों के घरों में पानी घुस गया, जिसे निकालने में लोगों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। कालोनीवासी आशु ने बताया की उन्हें 12 साल मकान में रहते हो गये हैं, पहली बार घर के अंदर पानी घुस गया, इतनी तेज मूसलाधार बारिश पहले कभी नहीं देखी। कालोनीवासियों का नगर परिषद से अनुरोध है की समय रहते, मॉनसून से पहले बरसाती नाले व चेम्बर की सफाई करवाई जाए, ताकि लोगों को वर्ष 2022 जैसा हाल ना देखना पड़े।

पीजीआई ट्रांसप्लांट सर्जन डेविड सदरलैंड पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ में रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. देवप्रकाश चौधरी को 17 जून, 2025 को इटली के पीसा में आयोजित इंटरनेशनल पैन्क्रियाज एंड आइलेट ट्रांसप्लांट एसोसिएशन (आईपीआईटीए) 2025 की 20वीं विश्व कांग्रेस में प्रतिष्ठित डेविड सदरलैंड प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस विशिष्ट सम्मान की सराहना करते हुए, पीजीआई के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, ₹डेविड सदरलैंड पुरस्कार से डॉ. चौधरी की मान्यता प्रत्यारोपण नवाचार में पीजीआई के वैश्विक नेतृत्व को रेखांकित करती है। पैन्क्रियाज प्रत्यारोपण में उनका अग्रणी कार्य रोगी देखभाल और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। यह उपलब्धि हम सभी को प्रेरित करती है क्योंकि पीजीआई विश्व मंच पर मानक स्थापित करना जारी रखता है। यह नैदानिक उत्कृष्टता, शैक्षणिक कठोरता और नवाचार के प्रति पीजीआई के समर्पण का प्रतिबिंब है।₹ स्वर्गीय डॉ. डेविड सदरलैंड के नाम पर, जिन्हें ह्लअग्नाशय प्रत्यारोपण के जनकह्व के रूप में जाना जाता है, यह द्विवार्षिक पुरस्कार युवा प्रत्यारोपण सर्जनों को सम्मानित करता है, जो अग्न्याशय प्रत्यारोपण में एक मजबूत शोध प्रक्षेपवक्र के साथ नैदानिक कौशल में उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं। डॉ. चौधरी को ढ्ढक्क्षटएफमें किए जा रहे अग्न्याशय प्रत्यारोपण में अग्रणी कार्य के लिए उनके योगदान के लिए चुना गया था, जिसने रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग को पूरे देश में नेतृत्व की स्थिति में ला दिया है।

श्री माता मनसा देवी पर चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के मंदिरों में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 16 जून से 5 जुलाई के दौरान चोला अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के श्री माता मनसा देवी मुख्य मंदिर, पटियाला मन्दिर व सती मंदिर पंचकूला, श्री काली माता मंदिर कालका व श्री चण्डीमाता मंदिर, चण्डी मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 16 जून से 5 जुलाई की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 11 जून प्रातः 10 बजे से 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी इच्छुक श्रद्धालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट www.manszdevi.org.in पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है।

डडू माजरा कॉलोनी का प्रतिनिधिमंडल सांसद तिवारी और एसएसपी ट्रैफिक पुलिस से मिला

संवाददाता
चंडीगढ़

डडू माजरा कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सुरेंद्र पाल, अमन स्लैच, रवि, राम बाबू , जीत राम, बलबीर, बहादुर चंद एवं रतन पाल सिंह और वार्ड नम्बर 26 के प्रेसिडेंट हरजिंदर सिंह प्रिंस के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान साँसद मनीष तिवारी से कॉलोनी से संबंधित कई समस्याओं पर चर्चा की। कॉलोनी की समस्याओं में सबसे अहम डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा, सड़कों की खराब स्थिति, टी-पॉइंट पर ट्रैफिक लाइट्स की आवश्यकता, पार्कों का रखरखाव, कॉलोनी की साफ-सफाई, रात के समय नियमित पुलिस पेट्रोलिंग तथा ग्रीन बेल्ट पार्क की स्थापना जैसी समस्याएं शामिल हैं। जो ग्रीन बेल्ट पार्क प्रस्तावित है, वह वर्तमान में साप्ताहिक किसान मंडी के रूप में उपयोग होने वाले क्षेत्र में बनाया जाना प्रस्तावित है। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद से इन सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान हेतु हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया और कॉलोनीवासियों को जल्द से जल्द इन समस्याओं से निजात दिलाई जाए। ताकि वो भी राहत की सांस ले सकें।

केवीआईसी ने देशभर के 11,480 पीएमईजीपी लाभार्थियों को रु 300 करोड़ से अधिक की सब्सिडी वितरित की

संवाददाता
चंडीगढ़

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के अंतर्गत 17 जून 2025 को एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के 11,480 सेवा क्षेत्र (Service Sector) के लाभार्थियों को करीब 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण किया। यह संवितरण लगभग 906 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष किया गया। यह आयोजन केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने अपनी टीम के साथ ऑनलाइन माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में यह सब्सिडी स्थानांतरित की। कार्यक्रम में केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रूप राशि सहित वरिष्ठ अधिकारी मुंबई से वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' का सपना साकार हो रहा है और पीएमईजीपी योजना उसका मजबूत स्तंभ बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन बन गई है जो लाखों युवाओं, महिलाओं और कारीगरों को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ रही है। गांव-गांव तक रोजगार और आत्मनिर्भरता के निर्माण में इस योजना की भूमिका निर्णायक रही है।

इस व्यापक संवितरण में देश के सभी छह अंचलों की सक्रिय भागीदारी रही। केंद्रीय जोन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की कुल 2403 परियोजनाओं के लिए करीब 72 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की गई, जिनके लिए कुल 218 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। पूर्वी जोन में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की 996 परियोजनाओं को करीब 22 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जबकि ऋण स्वीकृति करीब 71 करोड़ रुपये रही।

उत्तर भारत के राज्योंझ पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और केंद्र शासित चंडीगढ़ झ के अंतर्गत कुल 2713 परियोजनाओं को करीब 61 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई और इन परियोजनाओं के लिए 184 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। पूर्वोत्तर क्षेत्र की 81 परियोजनाओं को करीब 2 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिसमें असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल रहे।

दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में 4565 परियोजनाओं को शामिल करते हुए करीब 116 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की गई, जबकि इन परियोजनाओं के लिए 343 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया। पश्चिम जोन के महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा राज्यों की कुल 722 परियोजनाओं के लिए 26 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई, जो 82 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के सापेक्ष है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जब से शुरू हुआ है तब से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 तक ग्रामीण और शहरी भारत में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का स्तंभ बन चुकी है। योजना के अंतर्गत अब तक कुल 10,18,185 सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना की जा चुकी है, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा 73,348 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है। इसके बदले लाभार्थियों को 27,166 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी प्रदान की गई है। इस योजना के माध्यम से अब तक देशभर में 90,04,541 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है, जो इसे देश की सबसे प्रभावी स्वरोजगार योजनाओं में से एक बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन

- जिलावासियों ने प्रशिक्षण का जमकर उठाया लाभ

संवाददाता
पंचकूला

मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में बुधवार को प्रातः 6 बजे से 7:30 बजे तक परेड ग्राउंड, सैक्टर-5, पंचकूला में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, डा0 दिलीप कुमार मिश्रा, ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर शिविर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर जिला स्तर पर मंत्रीगण, सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, अन्य सभी विभागों के अधिकारी/कर्मचारी, स्कूली छात्रों एवं इच्छुक जनसाधारण को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण शिविर के तृतीय दिन, परेड ग्राउंड, सैक्टर-5, पंचकूला में जिला स्तर पर जिला प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों, खेल विभाग के कोच व खेल विभाग के बच्चों, आयुष विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास आयुष योग विशेषज्ञा व पतंजली योग शिक्षकों द्वारा करवाया गया जिसमें जिलावासियों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया।

उन्होने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का आंरभ प्रार्थना मंत्र के उच्चारण से किया गया।

तदोपरांत योग क्रियाओं जैसे ताडासन, वृक्षासन, पादहस्त, अर्धचकासन, वज्रासन, उत्तानमण्डुक, उष्ट्रासन, वक्रासन, मक्रासन, शलभासन, सेतुबंध, उत्तानपादासन, पवनमुक्त, अर्धहलासन, अनुलोम विलोम, कपालभाती, भ्रामरी का अभ्यास करवाते हुए यौगिक क्रियाओं द्वारा होने वाले लाभों की भी जानकारी दी गई।